खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 16 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-226

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, हैदराबाद ने 79वें स्वतंत्रता दिवस को उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), स्थानीय प्रधान कार्यालय, कोटी, हैदराबाद ने 79वें स्वतंत्रता दिवस को देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रचनात्मक और आकर्षक गतिविधियों के साथ उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर हमारी साझा विरासत और मूल्यों का उत्सव मनाया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम)एस. राधाकृष्णन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय गान गाया। अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में, श्री राधाकृष्णन ने भारत की कमी से आत्मनिर्भरता तक की उल्लेखनीय यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपनी बचपन की यादों को साझा करते हुए बताया कि कैसे वे राशन की कतारों में खड़े होते थे और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए विदेशी सहायता और गेहूं आयात पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि आज भारत न केवल खाद्यान्न निर्यात कर रहा है, बल्कि आर्थिक मजबूती भी हासिल कर चुका है।

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में नागरिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को सबसे प्रभावशाली संस्थानों में से एक बताया। उद्योग, सेवाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में एसबीआई भारत के विकास का मजबूत आधार रहा है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि एसबीआई न केवल देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक है, बल्कि सबसे लाभदायक कंपनी और विश्व स्तर पर सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक है।

तेलंगाना में एसबीआई के 60 वर्ष पूरे होने के अवसर पर, सीजीएम श्री राधाकृष्णन ने इस वर्ष प्रत्येक जिले में बाजार हिस्सेदारी को 1% बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य घोषित किया। उन्होंने सभी नेताओं-मुख्य महाप्रबंधकों, महाप्रबंधकों, शाखा प्रबंधकों, सहायक महाप्रबंधकों और कर्मचारी संघों-से इस मिशन में एकजुट होने और एसबीआई की समावेशी बैंकिंग नीति को मजबूत करने का आह्वान किया।

श्री राधाकृष्णन ने पूर्वोत्तर भारत में अपने अनुभव साझा करते हुए वहां की रसद संबंधी चुनौतियों की तुलना तेलंगाना की सुगमता और अवसरों से की। उन्होंने सभी से यहां उपलब्ध विशेषाधिकारों को पहचानने और अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का आग्रह किया।

पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए, उन्होंने सभी को हमारी साझा मानवता और सहकर्मियों, ग्राहकों सहित सभी नागरिकों की सुरक्षा और समर्थन की जिम्मेदारी की याद दिलाई। उन्होंने दैनिक व्यवहार में मान्यता, सम्मान और दयालुता के महत्व पर जोर दिया, चाहे वह सलामी का जवाब देना हो या अधीनस्थों की सराहना करना।

सीजीएम ने अपने भाषण का समापन एसबीआई को तेलंगाना में न केवल सबसे बड़ा, बल्कि सबसे अच्छा बैंक बनाने के आह्वान के साथ किया। उन्होंने करुणा, नेतृत्व और सामूहिक संकल्प के साथ ग्राहकों और सहकर्मियों की सेवा करने का आग्रह किया, जैसा कि हम अपने देशवासियों के प्रति प्रेम महसूस करते हैं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में कर्मचारियों और उनके परिवारों की सक्रिय भागीदारी के साथ विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कर्मचारियों ने देशभक्ति गीत गाए और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए। खेल, नृत्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों और उनके बच्चों को सम्मानित किया गया।

इस आयोजन में श्रीमती शेनबगा देवी, अध्यक्ष, एसबीआई लेडीज क्लब, रवि कुमार वर्मा (महाप्रबंधक, नेटवर्क-1), सतीश कुमार (महाप्रबंधक, नेटवर्क-2), उप-महाप्रबंधक, अन्य वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार उपस्थित थे।

श्रीश्याम मंदिर, काचीगुडा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन आज

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री काँची कामकोटि पीठम् श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के तत्वावधान में काचीगुडा, वीरन्नागुट्टा स्थित श्री श्याम मंदिर में शनिवार, दि. 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर भक्तों के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। यह जानकारी मंदिर समिति के मंत्री इंद्रकरण अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। महोत्सव के दिन, भक्तगण सुबह 6.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक और फिर शाम 4.00 बजे से रात 12.00 बजे तक मंदिर में दर्शन कर सकेंगे। इस दौरान लड्डू गोपाल की भव्य झाँकी, श्याम बाबा का अद्भुत श्रृंगार, छप्पन भोग और फूलों से भव्य सजावट आकर्षण का केंद्र होंगे।

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर रात्रि 7.00 बजे से मध्यरात्रि तक भजन संध्या का आयोजन किया गया है। इसमें श्याम के लाडले (हैदराबाद), प्रियंका गुप्ता (कोलकाता) और तुषार चौधरी (कोलकाता) अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत करेंगे। मध्यरात्रि 12.00 बजे धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

मंदिर समिति के मंत्री इंद्रकरण अग्रवाल ने सभी सदस्यों, दानदाताओं और भक्तों से परिवार सहित मंदिर में पधारकर दर्शन और प्रसाद का लाभ लेने का आग्रह किया है।

मिधानि ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया नए भारत के निर्माण का संकल्प

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक उपक्रम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने 79वां स्वतंत्रता दिवस अपने कार्यालय परिसर में देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया। इस समारोह में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एस. वी. एस. नारायण मूर्ति, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवारजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. मूर्ति द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद सीआईएसएफ दल ने गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया। मिधानि टीम और सीआईएसएफ की परेड ने संगठन के अनुशासन को प्रदर्शित किया। अपने संबोधन में डॉ. मूर्ति ने कहा, स्वतंत्रता दिवस केवल हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह भविष्य के लिए हमारी जिम्मेदारियों को निभाने का भी दिन है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव केवल युद्धभूमि पर नहीं, बल्कि कारखानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और देशभक्त पेशेवरों के दिलों में बनती है।

डॉ. मूर्ति ने भारत की रक्षा उत्पादन में हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में स्वदेशी रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ तक पहुंच गया है। उन्होंने गर्व से कहा कि मिधानि ने इस प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कंपनी ने मिसाइल, एयरोस्पेस, नौसेना प्रणालियों, ऊर्जा और अंतरिक्ष कार्यक्रमों जैसे इसरो के गगनयान मिशन के लिए आवश्यक सामग्रियों का स्वदेशीकरण और आपूर्ति की है। साथ ही, इसने उन्नत मिश्र धातुओं, आर्मर समाधानों और रणनीतिक परियोजनाओं के लिए विशेष सामग्रियों के विकास में भी सफलता हासिल की है।

सीएमडी ने मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड की परिकल्पना साझा करते हुए मिधानि को उन्नत सामग्रियों का वैश्विक केंद्र बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की और उन्हें नवाचार और राष्ट्र गौरव के साथ काम करने का संदेश दिया।

समारोह में बीपीडीएवी स्कूल के छात्रों और मिधानि कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इसके बाद, मेधावी छात्रों, उत्कृष्ट कर्मचारियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के साथ हुआ, जो राष्ट्र की प्रगति और सुरक्षा के प्रति मिधानि की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

अग्रवाल शिक्षा समिति में भव्य स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल शिक्षा समिति ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया, जिसमें देश के लिए बलिदान देने वाले पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में केयर अस्पताल के वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. एम. श्रीनिवास राव उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि अनिरुद्ध गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया गया। समिति के एन.सी.सी. कैडेट्स और स्कूल के विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट कर तिरंगे को सलामी दी। मानद मंत्री सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि अग्रवाल शिक्षा समिति को 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि समिति श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों को उत्तम नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए नए पाठ्यक्रम भी जोड़े जा रहे हैं।

डॉ. श्याम सुंदर (चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड) ने विद्यार्थियों से मेहनत करने और देश की उन्नति में योगदान देने का आग्रह किया।

डॉ. एम. श्रीनिवास राव ने कहा कि आजादी हमें सैनिकों के संघर्ष से मिली है और विद्यार्थियों को देश का भविष्य बताते हुए उन्हें मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने स्वयं को इसी समिति का पूर्व छात्र बताते हुए गर्व महसूस किया और विद्यार्थियों को दूसरों के गुणों को अपनाने की सलाह दी। अध्यक्ष प्रमोद कुमार केडिया ने देश की आजादी को बनाए रखने और उसकी प्रगति में योगदान देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगे के तीन रंग हमारी आन, बान और शान हैं और विद्यार्थियों को अनुशासित और समय का पाबंद रहने की सीख दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। 'संस्कार एक धारा' संस्था के श्री रामनिवास बंसल और श्री भगत सिंह को भी सम्मानित किया गया। समिति में 20 वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले कर्मचारियों को और वार्षिक परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 'एल.एन. गुप्ता मैरिट पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। एस.डी.एस. कॉलेज के एन.सी.सी. कैडेट्स को उनके अनुशासन और सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें सभी प्रधानाचार्यों, शिक्षकों, कर्मचारियों और अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एनएमडीसी ने 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाया, नए भारत के विजन पर जोर

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने हैदराबाद स्थित अपने मुख्यालय और देश भर में फैली अपनी खनन इकाइयों में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस वर्ष का समारोह 'नए भारत' की थीम पर केंद्रित था, जिसने भारत की आत्मनिर्भरता और प्रगति को दर्शाया।

एनएमडीसी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने हैदराबाद के कॉर्पोरेट कार्यालय में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक श्री विनय कुमार (तकनीकी), श्री जॉयदीप दासगुप्ता (उत्पादन), और श्रीमती प्रियदर्शिनी गद्दाम (मानव संसाधन) सहित अन्य कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे।

इस समारोह में, श्री मुखर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि यह स्वतंत्रता दिवस विशेष रूप से वीरता से परिपूर्ण है, क्योंकि यह केवल हमारी स्वतंत्रता का स्मरण नहीं, बल्कि उसकी रक्षा का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एनएमडीसी राष्ट्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 में 55 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य रखा है, जिसके जरिए 2030 तक 100 मिलियन टन के लक्ष्य को पार करने की उम्मीद है।

उन्होंने एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एलएसएल) की हालिया उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें एक ही दिन में 11,205 टन हॉट मेटल का उत्पादन, वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 25.7 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ, और 1.2 एमएम थीक हॉट रोल्ड कॉइल का सफल रोलआउट शामिल है। उन्होंने बताया कि एनएसएल ने लोगों और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की यह भावना एनएमडीसी से विरासत में ली है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, एनएमडीसी ने पिछले सप्ताह अपने कॉर्पोरेट कार्यालय और छत्तीसगढ़-कर्नाटक में स्थित परियोजनाओं में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

समारोह के दौरान विजेताओं को सम्मानित किया गया, जिससे कर्मचारियों के बीच एकजुटता और टीम वर्क की भावना को बढ़ावा मिला।

यह समारोह एनएमडीसी की राष्ट्र के विकास और 'नए भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप सभी के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के प्रति कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव आज

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिंद्रा हिल्स स्थित श्री पहाड़ी श्याम मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

महोत्सव के दौरान, भक्तों के लिए मंदिर 16 अगस्त को सुबह 8.00 बजे से मध्यरात्रि 12.00 बजे तक खुला रहेगा। भक्तगण लड्डू गोपाल की अलौकिक झाँकी और श्रृंगार के दर्शन कर सकेंगे।

शाम 7:15 बजे से आधी रात तक भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से कोलकाता के विवेक शर्मा, हैदराबाद के प्रतीक दाहिमा और पंकज ओझा अपनी मधुर आवाज में भजन प्रस्तुत करेंगे। भजन संध्या का संगीत संयोजन दिल्ली के देव म्यूजिकल ग्रुप द्वारा किया जाएगा।

रात्रि 12.00 बजे धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जन्माष्टमी महोत्सव की मुख्य सेवाएं झाबरमल बाबुलाल डाकोतिया परिवार द्वारा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा, कई अन्य परिवारों और संस्थाओं ने भी विभिन्न सेवाओं में सहयोग दिया है, जिनमें प्रमुख हैं:

ड्राईफ्रूट भोग: बाबूलाल सुभाषचंद अग्रवाल परिवार, फ्रूट्स सेवा: महेंद्र अग्रवाल (जगदंबा पर्ल्स),

खिलौने की सेवा: मदन ठाकुर परिवार, सिकंदराबाद, बाबा के भोग की सेवा: मनीष बंसल परिवार, कोमपल्ली, श्रृंगार सेवा: श्रीकिशन अमर टिबडेवाल परिवार, राजाप्रसाद मनोजकुमार अग्रवाल परिवार, मेसर्स राधे ज्वेल्स, अशोक कुमार जैन परिवार, श्री तामा मंडल, देव्यानी मंडल और श्री गोपाल जालान परिवार। श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, अशोक सिंघानिया, अक्षय डाकोतिया, प्रवीण अग्रवाल, ब्रिजेश मोदी और राहुल अग्रवाल ने सभी भक्तों और श्याम प्रेमियों से बड़ी संख्या में पधारकर इस उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है।

श्री पहाड़ी श्याम मन्दिर, महिन्द्रा हिल्स में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने हेतु विधायक टी. राजा सिंह को आमंत्रित करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया। साथ में हैं विजय अग्रवाल ।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 16 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-226

79वें स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक लाल किले से

पीएम मोदी का आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और एकजुटता का आह्वान

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व में बढते संरक्षणवाद के बीच विकसित और वैश्विक रूप से हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता और स्वदेशी को मूल मंत्र बताते हुए राजनीतिक दलों और सभी देशवासियों से इसके लिए अपनी पूरी शक्ति लगाने का पुरजोर आह्वान किया है।

श्री मोदी ने भारत के खिलाफ व्यापार के क्षेत्र में बढ रहे दबावों के बीच कहा कि विकसित भारत के लिए आत्मनिर्भरता अनिवार्य शर्त है। उन्होंने कहा कि भारत अपने किसानों तथा कमजोर वर्गों के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेगा और स्वदेशी को अपनी मजबूती के लिए अपनाकर दूसरों को मजबूर करेगा।

प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को यहां 79 वें स्वतंत्रता दिवस पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से 12 वीं बार राष्ट्र को संबोधित करते हुए अपने अब तक के सबसे लंबे भाषण में देश के समक्ष चुनौतियों , देश की ताकत और देश के भविष्य का खाका प्रस्तुत किया जिसमें रक्षा और सुरक्षा से लेकर आर्थिक , सामाजिक और तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया है। उन्होंने इसी संदर्भ में नयी योजनाओं और पहलों की घोषणा की जिसमें युवाओं के लिए रोजगार योजना, सैन्य और असैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए मिशन सुदर्शन चक्र, अवैध घुसपैठियों से निपटने के लिए उच्च अधिकार प्राप्त मिशन, जीएसटी में नयी पीढी के सुधार, देश को दस लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सुधारों पर कार्य बल के गठन , लड़ाकू विमानों के लिए स्वदेशी इंजन के विकास , परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता में विस्तार और खनिज तेल तथा गैस के लिए गहरे समुद्र में अन्वेषण के लिए समुद्र मंथन जैसी कई घोषणाएं शामिल हैं। उन्होंने सेमिकंडक्टर मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में इसी वर्ष माइक्रोचिप का विनिर्माण शुरू हो जायेगा। उन्होंने अंतरिक्ष में भारत की ऊंची उडान का जिक्र किया और कहा कि देश गगनयान मिशन की अपने बल पर सफलता तथा अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

पाकिस्तान को सीधा और अमेरिका को दिया अप्रत्यक्ष संदेश

आपरेशन सिंदूर भारतीयों के आक्रोश की अभिव्यक्ति

श्री मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत अब परमाणु धमकी में आने वाला नहीं है और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए सेनाओं को खुली छूट दी गयी है। सिंधु जल संधि को अन्यायपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि भारत इसे मौजूदा स्वरूप में स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने भारत के खिलाफ व्यापारिक कार्रवाई कर रहे देशों को करारा संदेश देते हुए दोहराया कि भारत अपने किसानों , पशुपालकों और मछुआरों के हित के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा और न ही किसी देश के चंगुल में आयेगा। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी की भावना को मजबूत करने के लिए सभी दलों से मिलकर काम करने का आह्वान किया।

आपातकाल लगा संविधान का गला घोंटने वाले पापियों को न भूलें

खून और पानी साथ-साथ नहीं बहेंगे

जीएसटी में होंगे चार की जगह दो स्लैब, सस्ती होंगी आम लोगों के इस्तेमाल की चीजें

प्रधानमंत्री ने दुकानदारों से अपनी दुकान पर 'यहां स्वदेशी माल बिकता है' के बोर्ड लगाने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्र सेवा की सराहना करते हुए संगठन को उसके शताब्दी वर्ष की शुभकामनाएं भी दी।

श्री मोदी ने लाल किले से पिछले संबोधन में किये गये पंच प्रणों का उल्लेख करते हुए कहा, विकसित भारत के लिए न रूकेंगे, न झुकेंगे, परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे और 2047 में अपनी आंखों के सामने विकसित भारत बना कर रहेंगे।

विरासत को भारत का गौरव तथा आभूषण बताते हुए उन्होंने कहा कि हम जीवन में, व्यवस्थाओं में और नियम, कानून परंपराओं में गुलामी का एक भी कण नहीं बचने देंगे। उन्होंने देश की एकता को शक्तिशाली मंत्र बताते हुए कहा कि हम एकता की डोर को कटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा, यह कर्तव्य पूजा और तपस्या से कम नहीं है और उसी भाव से हम सब मातृभूमि के कल्याण के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे। हम अपने आप को खपा देंगे, जो भी सामर्थ्य है, अवसर है उसे नहीं छोड़ेंगे और नये अवसर बनायेंगे।

उन्होंने भाषण के समापन पर जय हिन्द के उद्घोष से पहले कविता की इन पंक्तियों में अपने भावों का उद्गार करते हुए कहा कि ...

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही इतिहास रचा है।

जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है।

समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

उन्होंने कहा कि ये पंक्तियां बहुत सुंदर हैं जो हमें हर क्षण की महत्ता समझने और उसे व्यर्थ न गँवाने के लिए प्रेरित करती हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपरेशन सिंदूर को सीमा पार से आतंकवाद के खिलाफ भारत की जनता के आक्रोश की अभिव्यक्ति बताते हुए कहा है कि भारतीय सेना की कार्रवाई में ▶10 पर

हाईकोर्ट से ऊपर नहीं है सुप्रीम कोर्ट : बीआर गवई

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

देश आज अपना 79वां यौमे आजादी मना रहा है। मुल्कभर में इस खास मौके पर कई जगहों पर प्रोग्राम आयोजित किए गए। लाल किले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झंडा फहराया। तो वहीं सुप्रीम कोर्ट में भारत के चीफ जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने झंडा फहराया। इस दौरान सीजेआई ने एक बार फिर कॉलेजियम सिस्टम को सही बताया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राज्यों में कई वकील अच्छा काम कर रहे हैं। उन वकीलों के कामों को अलग -अलग हाईकोर्ट में इस्तेमाल में लाना चाहिए।

सीजेआई गवई ने बताया कि कई वकीलों को हाईकोर्ट में जज नियुक्त करने में सफलता मिली है और भी नामों की सिफारिश की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट में जश्ने आजादी के मौके पर आयोजित प्रोग्राम सीजेआई भूषण रामकृष्ण गवई ने कहा, हम जानते हैं कि अलग-अलग राज्यों से आने वाले वकील बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हैं और उनकी सेवाओं का इस्तेमाल विभिन्न उच्च न्यायालयों में किया जाना चाहिए। मैं अपने सीनियर सहयोगियों के साथ मिलकर यहां के कुछ वकीलों के नाम उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश के रूप में प्राप्त करने में सफल रहा हूं। हम कुछ और नामों की सिफारिश करने की प्रक्रिया में भी हैं। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम भी हाईकोर्ट के कॉलेजियम को नामों की सिफ़ारिश करने के लिए निर्देशित नहीं कर सकता। चीफ जस्टिस गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट उच्च न्यायालयों को निर्देश नहीं दे सकता। दोनों कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट हैं। ▶10 पर

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने विपक्षी दलों पर लगाया आरोप

वोट चोरी के दावों के पीछे विदेशी एजेंडा

हैदराबाद, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने विपक्षी दलों पर वोट चोरी के दावों के माध्यम से एक विदेशी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उनके ये दावे भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय साजिशों का हिस्सा हैं। पवन कल्याण की जन सेना पार्टी सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन का हिस्सा है।

काकीनाडा में स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन में, पवन कल्याण ने विपक्षी दलों के चुनावी ईमानदारी पर उनके चयनात्मक दृष्टिकोण की आलोचना की। उन्होंने कहा, जब विपक्षी नेता राष्ट्रीय स्तर पर हारते हैं, तो वे वोट चोरी का आरोप लगाते हैं। जब वे जीतते हैं, तो उन्हें कोई वोट चोरी नहीं दिखती। जब वे विजयी हुए, तो

हमने कभी ऐसे आरोप नहीं लगाए।

उन्होंने 2024 के आंध्र प्रदेश चुनावों का हवाला दिया, जिसमें गठबंधन सरकार ने 164 विधानसभा सीटें जीतीं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल अब ईवीएम में गड़बड़ी का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का यह दोहरा रवैया राष्ट्रीय से लेकर राज्य स्तर तक फैला हुआ है।

कल्याण ने विपक्षी दलों की चुनावी शिकायतों को राष्ट्रीय सुरक्षा के व्यापक संदर्भ में देखा। उन्होंने कहा, हमारे देश में आंतरिक अस्थिरता पैदा करना दुश्मन देशों की रणनीति है। उनके शब्दों को अंतरराष्ट्रीय साजिशों का हिस्सा माना जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, किसी किले को भेदने के लिए, बाहर से हमला करने के बजाय अंदर से किसी के दरवाजा खोलने पर हमला करना आसान होता है। विदेशी शक्तियाँ ऐसे आंतरिक दुश्मन तलाशती हैं जो उनके साथ सहयोग करें और खुफिया जानकारी दें। ये विपक्षी आवाजें विदेशी शक्तियों का एजेंडा चला रही हैं, और लोगों को इस पर ध्यान देना चाहिए।

पवन कल्याण ने भारत के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि विभाजन के बाद से लगातार धार्मिक हिंसा के बावजूद, भारत ने कभी भी अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को नहीं छोड़ा है। उन्होंने डॉ. अब्दुल कलाम जैसे नेताओं को भारत के सर्वोच्च पदों पर बिठाए जाने को इस प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा, इस तरह की समावेशी प्रथाएं पाकिस्तान में मौजूद नहीं हैं, जहां एक हिंदू क्रिकेटर को खत्म कर दिया जाएगा और कोई मजबूत हिंदू नेता दिखाई नहीं देता है। ▶10 पर

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह का बड़ा बयान

हर नागरिक अपनी नागरिकता और मताधिकार साबित करें

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि देश के हर नागरिक को यह साबित करना होगा कि वह भारत का नागरिक है और इसी आधार पर उसे मतदाता होने का अधिकार मिलेगा। उन्होंने साफ किया कि जो इस देश का मतदाता है, उसे साबित करना होगा कि वह इस देश का नागरिक है और तभी वह मतदाता कहलाएगा।

राहुल गांधी की 17 अगस्त से शुरू होने वाली वोट अधिकार यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए ललन सिंह ने कहा कि उनको घूमने दीजिए। संविधान की किताब लेकर पहले भी घूम चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर जो कहा है, वह हम सबने सुना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा का समर्थन करते हुए ललन सिंह ने कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि खून और पानी एक साथ नहीं हो सकता है। ▶10 पर

किश्तवाड़ में बादल फटने की घटना

अब तक 60 की मौत, 69 लापता

पीएम मोदी ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्ली/किश्तवाड़, 15 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बादल फटने की घटना के बाद से अब तक 60 लोगों की मौत हो गई है और 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से फोन पर बात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। गुरुवार को किश्तवाड़ के सुदूर पहाड़ी गांव चिसोटी में बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। अधिकारियों के अनुसार, अब तक बरामद किए गए 60 शवों में से 30 की पहचान कर ली गई है, जिनमें दो केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान इस त्रासदी की जानकारी दी। 160 से अधिक लोगों को अब तक बचाया जा चुका है, जिनमें से 38 की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने बताया कि 69 लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। प्रशासन ने लोगों और तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए पदर में एक नियंत्रण कक्ष-सह-हेल्प डेस्क स्थापित किया है। इसके लिए 9858223125, 6006701934 जैसे कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं। सेना की राष्ट्रीय राइफल्स के जवान भी बचाव अभियान में जुटे हैं। बादल फटने से चिसोटी और उसके आसपास के इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। कम से कम 16 आवासीय घर, सरकारी इमारतें, तीन मंदिर, चार पानी की मिलें और एक ▶10 पर

मिसाइलें-रडार-एआई और लेजर डिफेंस हवा में राख होंगे दुश्मन के हथियार

कैसा होगा भारत का सुदर्शन चक्र?

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की। यह योजना भारत के आकाश को हवाई खतरों से बचाने के लिए बनाई गई है। जन्माष्टमी से एक दिन पहले किया गया यह ऐलान भगवान कृष्ण के पौराणिक अस्त्र से प्रेरित है। यह पूरी तरह स्वदेशी होगी, जो सेना और आम लोगों के लिए जरूरी ढांचों की सुरक्षा करेगी और दुश्मन पर सटीक हमला करने की क्षमता से लैस होगी।

सिनियर डिफेंस कॉरेस्पोंडेंट संदीप उन्नीथन के मुताबिक, यह मिशन इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम नेटवर्क और इंटीग्रेटेड रॉकेट फोर्स को जोड़ सकता है। भगवान कृष्ण के पौराणिक सुदर्शन चक्र से प्रेरित यह योजना राष्ट्रीय सुरक्षा कवच पहल के तहत चलेगी और हॉस्पिटल्स, धार्मिक स्थलों, और अन्य संवेदनशील जगहों को नई तकनीकों से सुरक्षित करेगी। मई में पाकिस्तान ने भारतीय नागरिक ढांचों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, जिसके बाद यह मिशन शुरू किया गया है। वहीं, पाकिस्तान के पीएम शहबाज़ शरीफ ने भी 14 अगस्त को चीन की तर्ज पर रॉकेट फोर्स बनाने की घोषणा की।

सुदर्शन चक्र मिशन का मकसद है भारत के सबसे आधुनिक एयर डिफेंस नेटवर्क को एक उन्नत मिसाइल स्ट्राइक फोर्स के साथ जोड़ना। भारत का आईएसीसीएस (इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम) एक स्वदेशी, पूरी तरह ऑटोमेटेड और रियल-टाइम एयर डिफेंस सिस्टम ले लैस होगा। यह सेंसर, रडार और वेपन सिस्टम्स को जोड़कर पूरे आसमान की सटीक तस्वीर देगा, जो वायु, थल और नौसेना के ▶10 पर

स्वतंत्रता को कायम रखने के लिए कड़ी मेहनत और त्याग की जरूरत : मोहन भागवत

भुवनेश्वर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सर संघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारतीयों को स्वतंत्रता को लेकर आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्वतंत्रता को कायम रखने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत और त्याग करना होगा। मोहन भागवत ने भुवनेश्वर स्थित आरएसएस कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत का पूरी दुनिया के प्रति भी कर्तव्य है जो अनगिनत समस्याओं से जूझ रही है और 2000 साल से उनसे उबर नहीं पा रही है। संघ प्रमुख ने कहा, ''हमारे पूर्वजों ने सर्वोच्च बलिदान देकर भारत को स्वतंत्रता दिलाई। हमें भी इसे कायम रखने, देश को आत्मनिर्भर बनाने और विवादों में उलझी दुनिया का मार्गदर्शन करने के लिए 'विश्व गुरु' के रूप में उभरने के लिए उतनी ही मेहनत करनी होगी।'' भागवत ने कहा कि भारतीयों को उसी तरह कड़ी मेहनत करनी चाहिए जो उनके पूर्वजों ने स्वतंत्रता दिलाने के लिए तीन पीढ़ियों तक की। उन्होंने कहा, ''भारत के धर्म और ज्ञान के आधार पर यह होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया को मार्ग भी दिखाना होगा। भागवत ने कहा कि भारत विश्व में शांति और प्रसन्नता लाता है और दूसरों के साथ अपने धर्म को साझा करता है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, हमें आज़ादी इसलिए मिली ताकि हमारे देश में हर कोई सुख, साहस, सुरक्षा, शांति और सम्मान प्राप्त कर सके। हालांकि, दुनिया लड़खड़ा रही है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम दुनिया को समाधान प्रदान करें और धार्मिक सिद्धांतों पर आधारित अपने दृष्टिकोण के आधार पर सुख और शांति से भरी ▶10 पर

जब शानदार अभिनय ने देशभक्ति को किया जीवंत: कैसे इन प्रमुख अभिनेताओं ने फिल्मों को बनाया अविस्मरणीय

जैसे ही भारत 15 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है, यह सही समय है उन फ़िल्मों को याद करने का, जिन्होंने बड़े पर्दे पर देशभक्ति, साहस और बलिदान की भावना को बखूबी पेश किया। वर्षों से, बॉलीवुड ने ऐसी प्रेरणादायक कहानियाँ दी हैं जो न केवल मनोरंजन करती हैं बल्कि देश के प्रति गर्व का एहसास भी जगाती हैं। यहाँ छह अविस्मरणीय देशभक्ति फ़िल्में हैं, जिन्हें उनके मुख्य कलाकारों के दमदार प्रदर्शन ने यादगार बना दिया।

गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल शीर्षक भूमिका में जान्हवी कपूर द्वारा अभिनीत यह प्रेरणादायक बायोग्राफिकल ड्रामा, फ्लाइट लेफ्टिनेंट गुंजन सक्सेना की सच्ची कहानी कहता है-जो कारगिल युद्ध के दौरान लड़ाई के क्षेत्र में उड़ान भरने वाली भारतीय वायुसेना की पहली महिला अधिकारियों में से एक थीं। जान्हवी ने इस किरदार में एक सहज लेकिन असरदार उपस्थिति दी, जिसमें उन्होंने गुंजन के शांत संकल्प, लैंगिक भेदभाव के ख़िलाफ़ उनकी जंग, और भावनात्मक नाज़ुकता को बड़ी ख़ूबसूरती से निभाया। उनका प्रदर्शन सच्चा लगा, जिसने दर्शकों को उनकी यात्रा से जोड़ दिया।

लगान: आशुतोष गोवारिकर के निर्देशन में बनी यह महाकाव्य खेल-ड्रामा औपनिवेशिक भारत में सेट है और एक गांव के लोगों की कहानी कहती है, जो ब्रिटिश अधिकारियों को कर से बचने के लिए क्रिकेट मैच की चुनौती देते हैं। आमिर ख़ान ने भुवन के रूप में एक निडर और दृढ़ नेता का किरदार निभाया, जो असीम आशा और साहस से भरा था। उन्होंने एक बिखरी हुई टोली को एकजुट टीम में बदलकर असंभव जीत को विश्वसनीय बना दिया।

बॉर्डर: जेपी दत्ता द्वारा निर्देशित, बॉर्डर भारतीय सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित युद्ध फ़िल्मों में से एक है। 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान लोंगेवाला की लड़ाई पर आधारित इस फ़िल्म में सनी देओल और जैकी श्रॉफ ने मुख्य भूमिका निभाई। हर अभिनेता का प्रदर्शन जोश, वीरता और अटूट देशभक्ति से भरा था।

रंग दे बसंती: आधुनिक क्लासिक कही जाने वाली रंग दे बसंती में आमिर ख़ान, सिद्धार्थ और कुणाल कपूर ने अभिनय किया है। फ़िल्म में बेफ़िक्र कॉलेज दोस्तों की ज़िंदगी को भारत के स्वतंत्रता सेनानियों की क्रांतिकारी भावना के साथ जोड़ा गया है। आमिर ने 'डीजे' के किरदार में ऊर्जा और सहजता से एक ऐसे युवक का बदलाव दिखाया जो मज़ाक-मस्ती से गंभीर बलिदान तक की यात्रा करता है। सिद्धार्थ ने गंभीरता और कुणाल कपूर ने शांत दृढ़ता से अभिनय किया, जिसने फ़िल्म की भावनात्मक गहराई को और बढ़ा दिया।

द लेजेंड ऑफ भगत सिंह: अजय देवगन ने इस शक्तिशाली बायोपिक में अपने करियर का एक बेहतरीन प्रदर्शन दिया। यह फ़िल्म क्रांतिकारी भगत सिंह के साहस, विचारधारा और 23 वर्ष की आयु में उनके बलिदान की कहानी कहती है। अजय ने इस किरदार को संयमित लेकिन तीखे अंदाज़ में निभाया, जिससे भगत सिंह की विचारधारा दर्शकों के दिल में गहराई से उतर गई।

उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक: यह रोमांचक सैन्य ड्रामा विक्की कौशल को मेजर विहान सिंह शेरगिल के रूप में दिखाता है, जो 2016 के उरी हमले के जवाब में एक गुप्त ऑपरेशन का नेतृत्व करते हैं। फ़िल्म के प्रभावशाली एक्शन दृश्यों, भावनात्मक गहराई और विक्की की मशहूर लाइन-हाउज़ द जोश?-ने इसे तुरंत देशभक्ति का ब्लॉकबस्टर बना दिया। उनका प्रदर्शन शारीरिक दमखम, भावनात्मक भार और कच्ची देशभक्ति का बेहतरीन मिश्रण था।

कमल हासन से राम चरण तक, साउथ इंडियन स्टार्स ने मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

देश में 79वां स्वतंत्रता दिवस का पर्व पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर भला सेलेब्स कैसे पीछे रह सकते हैं। साउथ इंडियन सिनेमा के बड़े सितारों ने भी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मशहूर अभिनेता-नेता कमल हासन ने एक्स पर लिखा, सपने देखने, नया करने और उन्नति करने की आजादी। हल से कण तक, नमक यात्रा से अंतरिक्ष युग तक, हम उन आजादियों का विस्तार करते रहें जो भारत को मजबूत बनाती हैं। जिस साहस ने हमें आजादी दिलाई, वही साहस अब हमें हर गांव, हर शहर, हर मन में प्रगति दिलाए। स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। जय हिंद।

रजनीकांत ने इस मौके पर एक खत एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने इसमें लोगों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही इस पत्र के जरिए भारतीय सिनेमा में अपने 50 साल पूरे होने पर लोगों से मिले बधाई संदेश और प्यार के लिए आभार व्यक्त किया है। एक्टर चिरंजीवी ने लिखा, सभी भारतीयों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, अपने पूर्वजों द्वारा अर्जित अनमोल स्वतंत्रता का जश्न मनाएं, जो हमे उन्होंने हमें दी। यह स्वतंत्रता हमारी व्यक्तिगत उत्कृष्टता, विकास और हमारे राष्ट्र की निरंतर प्रगति को शक्ति प्रदान करे। जय हिंद। प्रकाश राज ने लिखा, स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। अपने स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए, आइए हम भी प्रेरित हों, जब हमारी स्वतंत्रता पर खतरा आए, तो निडर होकर अपनी आवाज उठाएं। मौन कोई विकल्प नहीं है।

अभिनेत्री-फिल्ममेकर मांचू लक्ष्मी ने इस दिवस को महसूस करने की सलाह देते हुए लिखा, हम तन, मन और आत्मा में स्वतंत्रता का अनुभव करें और इस मूल्य को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। जय हिंद, जय भारत।'आरआरआर' स्टार रामचरण ने अपने घर के ऊपर लहराते हुए तिरंगे की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं। जय हिंद।मॉलीवुड स्टार मोहन लाल ने तिरंगे को सलाम करते हुए एक फोटो शेयर की और देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

शोले के 50 साल पूरे, सचिन पिलगांवकर ने सुनाया अपने किरदार से जुड़ा किस्सा

बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' को 50 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म में अभिनेता सचिन पिलगांवकर ने रहीम चाचा के बेटे का किरदार निभाया था, जिसे लेकर उन्होंने खास किस्सा सुनाया है।

अभिनेता ने बताया कि निर्देशक रमेश सिप्पी ने फिल्म में उनका खास सीन हटा दिया था और इसके पीछे की कई वजह बताई थी।सचिन ने बताया, मुझे मारने वाला जो सीन था, वो गब्बर के अड्डे पर शूट हुआ था, लेकिन रमेश ने इस सीन को कुछ वजहों से एडिटिंग में हटवा दिया था। पहली वजह तो ये थी कि फिल्म बहुत लंबी हो रही थी, जिस वजह से इसको हटवाना पड़ा था, और दूसरी ये कि निर्देशक रमेश को लगा था कि एक 16-17 साल के लड़के की हत्या को दिखाना बहुत अजीब लगेगा। फिर फाइनल सीन में एक काली चींटी गब्बर के हाथ में चल रही होती है, जिसे देख गब्बर कहता है, रामगढ़ का बेटा आया है, और फिर वह उस चींटी को मार देता है। इसके बाद गांव में मेरे किरदार की लाश दिखाई जाती है, जिससे पता चलता है कि मेरा किरदार मारा गया है। सचिन ने बताया कि उस समय एक अभिनेता के तौर पर उन्हें यह सीन कटने का दुख हुआ था। अभिनेता ने बताया, उस समय मुझे बहुत बुरा लगा था, क्योंकि मेरा एक खास सीन था गब्बर के साथ, और वो हटा दिया गया था। हर अभिनेता को ऐसा लगेगा। लेकिन आज, जब मैं खुद एक निर्देशक हूं, तो मैं समझता हूं कि रमेशजी ने जो किया, वो सही था। सचिन का कहना है कि एक निर्देशक और निर्माता के नजरिए से वह रमेश सिप्पी के फैसले की सराहना करते हैं। फिल्म 'शोले' में सचिन का किरदार गब्बर (जिसे अमजद खान ने निभाया था) द्वारा मारा जाता है।

जब इस खास वजह से 'छोटे नवाब' के हाथ से निकल गई थी पहली फिल्म

बॉलीवुड के 'छोटे नवाब' का नाम सुनते ही शाही अंदाज और बेमिसाल अभिनय की तस्वीर उभरती है। 16 अगस्त को सैफ अली खान का 55वां जन्मदिन है। सैफ ने न केवल अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि जिंदगी के उतार-चढ़ाव से भी सुर्खियां बटोरीं।

पटौदी खानदान से ताल्लुक रखने वाले सैफ ने एक इंटरव्यू में एक्टिंग करियर में आने वाले स्ट्रगल के साथ ही पहली फिल्म से बाहर किए जाने का किस्सा भी साझा किया था।

एक पुराने इंटरव्यू में सैफ ने खुलासा किया था कि उनकी पहली फिल्म 'बेखुदी' (1992) से उन्हें निकाल दिया गया था, जब निर्देशक ने उन्हें गर्लफ्रेंड और फिल्म के बीच एक का चयन करने का अल्टीमेटम दिया था। सैफ ने माना था कि इस 'धर्मसंकट' ने उनके करियर की शुरुआत को नाटकीय बना दिया था। सैफ अली खान का जन्म 16 अगस्त 1970 को दिल्ली में हुआ, वह एक शाही और सिनेमाई परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता मंसूर अली खान पटौदी भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे, और मां शर्मिला टैगोर हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री। सैफ ने अपनी पढ़ाई लॉरेंस स्कूल, सनावर और बाद में यूके के लॉकर पार्क स्कूल और विनचेस्टर कॉलेज में की। हालांकि, उन्होंने खुद स्वीकार किया कि वह पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं रखते थे।

सैफ का फिल्मी करियर 1993 में यश चोपड़ा की फिल्म 'परंपरा' से शुरू हुआ, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। इससे पहले, वह राहुल रवैल की फिल्म 'बेखुदी' में काजोल के साथ डेब्यू करने वाले थे। इंटरव्यू में सैफ ने बताया था कि निर्देशक ने उनसे स्पष्ट कहा था, या तो गर्लफ्रेंड छोड़ो या फिल्म छोड़ो। हालांकि, सैफ ने फिल्म को छोड़ दिया और गर्लफ्रेंड को चुना, यह घटना उनके करियर की शुरुआत में एक बड़े झटके की तरह थी। सैफ के अभिनय का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा। साल 1990 के दशक में सैफ का करियर कई असफल फिल्मों जैसे 'आशिक आवारा' और 'पहचान' के साथ डगमगाई। लेकिन, 1994 में 'ये दिल्लगी' और 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' ने उन्हें एक खास पहचान दिलाई। साल 1999 में 'कच्चे धागे' और 'हम साथ-साथ हैं' ने उनके करियर को नई दिशा दी। साल 2001 में आई 'दिल चाहता है' फिर 2003 में 'कल हो ना हो' और साल 2004 में आई 'हम तुम' ने उन्हें रोमांटिक हीरो के रूप में स्थापित किया, जिसमें 'हम तुम' के लिए उन्हें नेशनल अवॉर्ड भी मिला।हालांकि, इन किरदारों से परे साल 2006 में आई 'ओमकारा', जिसमें उनके नकारात्मक किरदार को काफी पसंद किया गया।

सैफ की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही। साल 1991 में उन्होंने अभिनेत्री अमृता सिंह से शादी की, जिनसे उनकी बेटी सारा और बेटा इब्राहिम हैं। हालांकि, यह शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी और साल 2004 में दोनों का तलाक हो गया। इसके बाद, 2012 में सैफ ने करीना कपूर से शादी की, और उनके दो बेटे तैमूर और जहांगीर हैं।

गौरी योग का अनुपम संयोग, कर्क सहित अन्य राशियों का चमकेगा भाग्य

आज यानी 16 अगस्त शनिवार है और आज के दिन चंद्रमा का गोचर मेष उपरांत वृषभ राशि में होगा। इस पर आज शनिवार होने से दिन के ग्रह स्वामी शनि होंगे। आज के दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में प्रवेश करेंगे और गौरी योग का निर्माण करेंगे। इसके साथ ही आज के दिन कृतिका नक्षत्र के संयोग में ध्रुव योग और सुनफा योग का भी संयोग बनने जा रहा है। यही नहीं आज बुधादित्य और गजलक्ष्मी योग भी बन रहा है। इस पर आज शनिवार होने से दिन के देवता शनि महाराज होंगे जबकि आज की तिथि भगवान कृष्ण को समर्पित होगी। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है और आज जन्माष्टमी मनाई जाएगी। ऐसे में आज का दिन गौरी योग के संयोग और भगवान कृष्ण की कृपा से कर्क सहित 5 राशियों के लिए भाग्यशाली रहने वाला है। इन राशियों को अपने-अपने क्षेत्र में भाग्य का साथ मिलेगा और इनकी जमकर कमाई होगी। आज आपके घर में धार्मिक माहौल रहेगा। इसके साथ ही आज कृष्ण भगवान की पूजा करने से आपको अतिरिक्त फल मिल सकता है। ऐसे में जानते हैं, आज शनिवार का दिन इन राशियों के लिए किन-किन मामलों में भाग्यशाली रहेगा।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन उम्मीद से बेहतर परिणाम दिलाने वाला रहेगा। आज आपको कारोबार में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। अच्छी बात यह है कि आप इन मौकों को बेहतर तरीके से भुनाने में सफल होंगे। सरकारी सेवाओं से जुड़े जातकों के लिए आज दिन बेहतर रहने वाला है। आज आपके काम समय पर पूरे होंगे। आपको उच्च अधिकारियों का साथ मिलेगा। इसके अलावा अगर आपका कोई काम अटक रहा था तो आज के दिन उसमें तेजी आ सकती है। आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। परिवार में आपके सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ आपकी अच्छी जमेगी। आपको कदम कदम पर पार्टनर का साथ मिलेगा।

उपाय : आज भगवान कृष्ण को मोर पंख अर्पित करें। वहीं आज पीपल के पेड़ की जड़ पर जल दें और सरसों के तेल का दीया लाल बाती से जलाएं।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन मंगलकारी रहने वाला है। आज आपको किस्मत का साथ मिलने वाला है। किस्मत के मेहरबान रहने से आपके काम तेजी से पूरे होंगे। अप्रत्याशित रूप से आपको धन लाभ होने के भी आसार हैं। खासकर आपका भारी मात्रा में अटका हुआ धन आज के दिन निआज सकता है। इससे आप तनाव मुक्त होंगे। इसके साथ ही आज आपको कारोबार के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी जाने का मौका मिल सकता है। यात्रा आपके लिए सुखद और लाभकारी रहने वाली है। आपको इच्छित सफलता मिलने के आसार हैं। परिवार में आपके अनुकूल माहौल रहेगा। पिता या पिता तुल्य लोगों को सहयोग मिलने से आपके आत्मबल में बढ़ोतरी होगी। दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

उपाय : आज जन्माष्टमी का व्रत रखें और जरूरमंदों को भोजन कराएं। इसके साथ ही आज शनि मंदिर में शनिदेव को काले तिल, शमी के पत्ते और उड़द की दाल चढ़ाएं।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज शनिवार का दिन शानदार रहने वाला है। आज आप अपने कार्यों को लेकर अतिरिक्त गंभीर नजर आएंगे। आप उन्हें पूरा करने या नई योजनाओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करेंगे। आपको इसका फायदा भी मिलेगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आप अच्छा लाभ कमाने में सफल होंगे। कार्य विस्तार की योजनाएं सही दिशा में आगे बढ़ेंगी। इससे आपके आत्मविश्वास में इजाफा होगा। पार्टनरशिप में काम करने का मन बना रहे हैं तो आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको आज परिवार में जीवनसाथी का भी पूरा साथ मिलेगा। आप जीवनसाथी के नाम पर नया निवेश कर सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिहाज से आज का दिन उम्मीद से बेहतर रहेगा। बाहर घूमने के लिए जा सकते हैं।

उपाय : आज राधा-कृष्ण के नामों का अधिक से अधिक बार जप करें। वहीं आज के दिन एक पात्र में सरसों का तेल डालकर उसमें अपनी परछाई देखें और इस तेल को दान कर दें।

रोहिणी नक्षत्र को पूजा के लिए शुभ और शक्तिशाली क्यों माना जाता है? जानें इसके पीछे के कारण

भारतीय ज्योतिष में, 27 नक्षत्रों का एक विशेष स्थान है। इन सभी में, रोहिणी नक्षत्र को सबसे शुभ और शक्तिशाली माना जाता है, खासकर धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ के लिए। यह सिर्फ एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि कई धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण समय है।

पौराणिक महत्व और भगवान कृष्ण से संबंध

रोहिणी नक्षत्र का सबसे बड़ा महत्व भगवान कृष्ण से जुड़ा है। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, भगवान विष्णु के आठवें अवतार, भगवान कृष्ण का जन्म इसी नक्षत्र में हुआ था। इस कारण से, रोहिणी नक्षत्र को प्रेम, सौंदर्य, और मातृत्व का प्रतीक माना जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी के दौरान, जब यह नक्षत्र पड़ता है, तो पूजा और व्रत का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा, रोहिणी नक्षत्र को चंद्रमा की सबसे प्रिय पत्नी भी माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रमा को अपनी 27 पत्नियों में से रोहिणी सबसे अधिक प्रिय थी। इसी वजह से रोहिणी नक्षत्र को चंद्रमा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त है। यह माना जाता है कि इस नक्षत्र में की गई पूजा, चंद्रमा के आशीर्वाद से शुभ फल देती है और मन को शांति प्रदान करती है।

ज्योतिषीय महत्व

ज्योतिष के अनुसार, रोहिणी नक्षत्र वृषभ राशि के अंतर्गत आता है और इसका स्वामी ग्रह चंद्रमा है। चंद्रमा को मन, भावनाओं, और मातृत्व का कारक माना जाता है। जब चंद्रमा रोहिणी नक्षत्र में होता है, तो उसकी सकारात्मक ऊर्जा अपने चरम पर होती है। माना जाता है इस समय किए गए सभी धार्मिक कार्य और पूजा-पाठ का जल्दी फल मिलता है। वहीं रोहिणी नक्षत्र को स्थिर और दृढ़ माना जाता है। इसलिए, इस समय किए गए कार्य लंबे समय तक चलने वाले और सफल होते हैं।

विवाह और गृह प्रवेश: यह नक्षत्र विवाह और नए घर में प्रवेश जैसे महत्व-पूर्ण कार्यों के लिए बहुत शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस नक्षत्र में किया गया विवाह जीवन भर सुख और समृद्धि लाता है।

शुभ फलदायी योग : जब किसी धार्मिक अनुष्ठान का मुहूर्त रोहिणी नक्षत्र में तय किया जाता है, तो पूजा के फल कई गुना बढ़ जाते हैं।

शक्ति और उन्नति का कारक : इस नक्षत्र में पूजा करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं जल्दी पूर्ण होती हैं और जीवन में उन्नति के अवसर बढ़ते हैं।

कैसे करें रोहिणी नक्षत्र में पूजा?

रोहिणी नक्षत्र के दिन पूजा करने के लिए कुछ विशेष नियम हैं।

जल्दी उठें: इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें।

देवी-देवताओं की पूजा: भगवान कृष्ण, माता रोहिणी और चंद्रमा की पूजा करें। उन्हें फूल, फल और मिठाई चढ़ाएं।

मंत्र जाप: इस दिन 'ॐ रोहिण्यै नमः' या भगवान कृष्ण के मंत्रों का जाप करना बहुत लाभकारी होता है।

दान-पुण्य: इस दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान करने से पुण्य मिलता है।

राधा जी से असीम प्रेम करने वाले भगवान कृष्ण ने उन्हें क्यों दिया कभी संतान न होने का शाप, जानिए इसका रहस्य

जन्माष्टमी के मौके पर कान्हा जी के साथ साथ राधा जी का पूजन भी किया जाता है। वैसे भी राधा नाम बिना कृष्ण अधूरे हैं और राधा नाम मिल जाए तो कृष्ण भी पूरे हो जाते हैं। राधा और कृष्ण की प्रेम कहानी के बारे में न जाने कितने बार कहा, लिखा और सुना गया है। भगवान कृष्ण हमारी किशोरी जी को अगाध प्रेम करते हैं लेकिन एक बार एक ऐसी भी घटना हुई कि भगवान कृष्ण ने राधा जी को शाप दे दिया। वो भी ऐसा वैसा शाप नहीं दिया, उन्हें कभी संतान न होने का शाप दिया। आइये जानते हैं, भगवान कृष्ण ने ऐसा शाप क्यों दिया। इसके पीछे की वजह क्या थी।

राधाजी के मन में आई पुत्र की इच्छा

बताया जाता है कि एक समय की बात है, जब दिव्य लोग में राधा जी और भगवान कृष्ण रास विलास कर रहे थे। तभी राधा जी के मन में पुत्र

पैदा करने की इच्छा उत्पन्न हुई। अब जब राधा जी खुद सभी इच्छाओं से परिपूर्ण हैं तो उनके मन में ये इच्छा क्यों आई? किसी के मन में ये सवाल भी आ सकता है, तो क्रीड़ा तो आनंद के ही निमित्त होती है। इसका कोई उद्देश्य तो होता नहीं है। ऐसे में क्रीड़ा क्रीड़ा में इच्छा पैदा हो गई। अब जब राधा जी को इसकी इच्छा हुई तो उन्हें एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। जब राधा रानी जी इतनी सुंदर हैं तो उनका पुत्र भी बहुत सुंदर हुआ।

राधाजी के आचरण के बाद कान्हा ने दिया शाप

कथा बताती है कि एक दिन पुत्र ने जम्हाई ले ली। कहते हैं जब उन्होंने जम्हाई ली तो उनके पेट में पंचभूत, आकाश, पाताल, वन, पर्वत, पेड़, अहंकार, प्रकृति, पुरुष सभी दिखाई देने लगे। राधिका जी को बड़ा खराब सा लगा कि कैसी अलाई बलाई सब इनके मुंह में हैं और कैसा ही ये विराट छोकरा हुआ है। इस पर उन्होंने जल में रख दिया। वही विराट पुरुष हुए और उन्हीं से सभी ब्रह्मांड की उत्पत्ति हुई। वहीं जब राधाजी का इस तरह का अजीब व्यवहार भगवान श्रीकृष्ण ने देखा तो उन्होंने किशोरी जी को शाप दे दिया। श्रीकृष्ण ने राधाजी को शाप दिया कि अब उन्हें कभी भी संतान का लाभ नहीं मिलेगा। वह संतानहीन रहेंगी। इसी वजह से राधा जी का एक नाम कृशोदरी भी पड़ा है।

श्राद्ध पक्ष में लगेंगे दो ग्रहण

भारत में दिखेगा 7 सितंबर का चंद्र ग्रहण, 21 सितंबर को सूर्य ग्रहण

साल की शुरुआत में मार्च माह में एक बार चंद्र ग्रहण लग चुका है। लेकिन सितंबर महीने में साल का दूसरा चंद्र ग्रहण लगने जा रहा है। बड़ी बात यह है कि इसे भारत में देखा जा सकेगा। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल 2025 में भी चार ग्रहण देखने को मिलेंगे। इनमें से दो सूर्य ग्रहण और दो चंद्र ग्रहण होंगे। दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा। जिन जगहों पर ग्रहण दिखाई देता है, वहां-वहां चंद्र ग्रहण शुरू होने से 9 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के सूतक के समय में पूजा-पाठ नहीं किए जाते हैं, मंदिर बंद रहते हैं। ग्रहण खत्म होने के बाद सूतक खत्म होता है। मंदिरों का शुद्धिकरण होता है और फिर पूजा-पाठ आदि धर्म-कर्म किए जाते हैं।

चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को लगेगा। यह चंद्र ग्रहण पितृ पक्ष की शुरुआत में लगेगा और यह भारत में दिखाई देगा, जिससे इसका सूतक काल मान्य होगा। सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025 को लगेगा और यह भी भारत में नहीं दिखेगा। यह भी आंशिक सूर्य ग्रहण होगा और न्यूजीलैंड, पैसिफिक व अंटार्कटिका में दिखाई देगा।

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह ग्रहण अंटार्कटिका, पश्चिमी प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलेशिया, एशिया, हिंद महासागर, युरोप पूर्वी अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। रुस और प्रशांत महासागर के कुछ हिस्सों में चन्द्रास्त के समय उपच्छाया का प्रारम्भ दिखाई देगा। आइसलैंड, अफ्रीका के पश्चिमी हिस्से और अटलांटिक महासागर के कुछ हिस्सों में उपच्छाया का अन्त चन्द्रोदय के समय दिखाई देगा।

7 सितंबर से पितृ पक्ष का आरंभ

इस बार पितृ पक्ष का आरंभ 7 सितंबर से हो रहा है और 21 सितंबर तक चलेगा। लेकिन पूर्णिमा का श्राद्ध 7 सितंबर को होगा और उसी दिन साल का अंतिम चंद्र ग्रहण भी लगेगा। भारत में चंद्र ग्रहण दिखाई देगा इस कारण सूतक लगेगा। ये चंद्र ग्रहण भारत में दिखेगा। यूरोप, एशिया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, प्रशांत, अटलांटिक, हिंद महासागर, आर्कटिक और अंटार्कटिका में भी यह दिखेगा।

बृहत्संहिता के अनुसार दो ग्रहणों का असर

वराहमिहिर द्वारा रचित ग्रंथ बृहत्संहिता के राहुच-ाराध्याय में लिखा है कि जब दो-दो ग्रहण एक साथ एक ही महीने में होते हैं तो तूफान, भूकंप, मानवीय भूल से बड़ी संख्या में जनहानि होने के योग बनते हैं। एक ही महीने में सूर्य और चंद्र ग्रहण होते हैं तो सेनाओं की हलचल बढ़ती है। सरकारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्राकृतिक आपदा आने के योग रहते हैं।

1979 में भी हुए थे ऐसे ही हादसे

43 साल पहले 11 अगस्त 1979 को भी मोरबी में डैम टूटने से बाढ़ आ गई थी और हजारों लोग मारे गए थे। उस साल 22 अगस्त को सिंह राशि में सूर्य ग्रहण हुआ था। इसके बाद 6 सितंबर को कुंभ राशि में चंद्र ग्रहण हुआ था। अक्टूबर-1979 में फिलीपींस में तूफान आया था, जिसमें बड़ी जनहानि हुई थी। ठीक ऐसे ही हादसे 2022 में भी हो रहे हैं।

7 सितंबर को दूसरा चंद्र ग्रहण (पूर्ण चंद्र ग्रहण)

वर्ष का दूसरा चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 को भाद्रपद मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन लगेगा। यह रात्रि 21:57 बजे शुरू होकर 1:26 बजे तक प्रभावी रहेगा और भारत समेत संपूर्ण एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, न्यूजीलैंड, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका के पूर्वी क्षेत्रों में दिखाई देगा। यह चंद्र ग्रहण भारत में भी नजर आएगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य होगा और धार्मिक दृष्टि से इसका महत्व होगा। इस ग्रहण का सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12:57 बजे से आरंभ होगा और ग्रहण की समाप्ति तक रहेगा। यह पूर्ण चंद्र ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा, जिसमें चंद्रमा के साथ राहु और सप्तम भाव में सूर्य, केतु और बुध

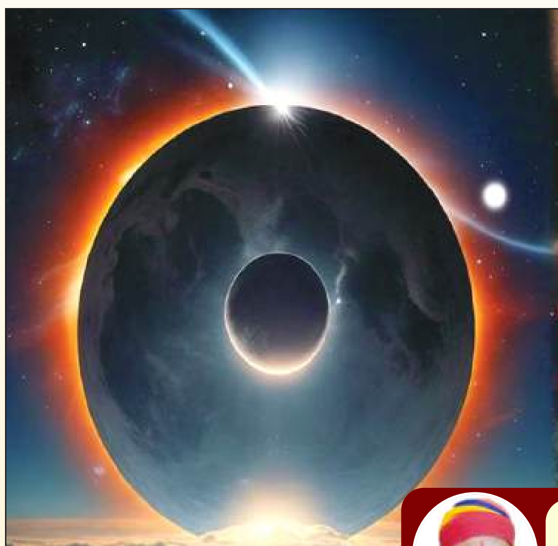

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

विराजमान होंगे। इस संयोजन का कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में जन्मे व्यक्तियों पर विशेष प्रभाव पड़ सकता है। इन जातकों को सावधानी बरतने का आवश्यकता रहेगी।

उपच्छाया प्रवेश रात्रि 08:57,
ग्रहण प्रारम्भ (स्पर्श) :- रात्रि 09:57,
पूर्णता प्रारम्भ : मध्यरात्रि 11:00,
ग्रहण मध्य: मध्यरात्रि 11:41,
पूर्णता समाप्त मध्यरात्रि 12:23,
ग्रहण समाप्त (मोक्ष):-मध्यरात्रि 01:27,
उपच्छाया अन्त: मध्यरात्रि 02:27,
ग्रहण की अवधि:- 03 घंटे 30 मिनट,
पूर्णता की अवधि:- 01 घंटे 23 मिनट

भारत में दिखाई देगा चंद्र ग्रहण

यह चंद्र ग्रहण मुख्य रूप से भारत सहित एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, पश्चिमी और उत्तरी अमेरिका तथा दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में भी देखा जा सकेगा। यह पूर्ण चंद्रग्रहण भारत के सभी हिस्सों से दिखाई देगा। पूरे देश में ग्रहण की शुरुआत से लेकर अंत तक उपच्छाया सहित ग्रहण के सभी चरण दिखेंगे।

सूतक काल का समय

चंद्र ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले हमेशा सूतक काल लगाता है। ऐसे में 7 सितंबर 2025 को लगने वाला चंद्र ग्रहण रात 9:57 मिनट से शुरू होगा। इसलिए इससे 9 घंटे पहले से सूतक काल लग जाएगा। इसका सुतक दोपहर 12:57 पर प्रारम्भ हो जायेगा।

21 सितंबर को दूसरा सूर्य ग्रहण (पूर्ण सूर्य ग्रहण)

दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात्रि में लगेगा, जो आश्विन मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या के दिन रात 22:59 बजे से शुरू होकर 22 सितंबर की सुबह 03:23 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस पूर्ण ग्रहण को न्यूजीलैंड, फिजी, अंटार्कटिका और ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भागों में देखा जा सकेगा। यह ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां इसका धार्मिक प्रभाव भी नहीं होगा और न ही इसका सूतक काल मान्य होगा। साल का दूसरा ग्रहण कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में आकार लेगा। इस दौरान सूर्य, चंद्रमा और बुध के साथ कन्या राशि में स्थित होंगे और उन पर मीन राशि में बैठे शनि देव की पूर्ण दृष्टि रहेगी। इससे दूसरे भाव में तुला राशि में मंगल होंगे, छठे भाव में कुंभ राशि में राहु, दशम भाव में बृहस्पति और द्वादश भाव में शुक्र और केतु की युति होगी। कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह सूर्य ग्रहण विशेष रूप से प्रभावशाली हो सकता है।

न करें ये काम

ग्रहण लगने पर मंदिरों में मूर्तियों को स्पर्श करने से बचें। कैंची, सुई-धागे और धारदार वस्तुओं का उपयोग न करें। यात्रा करने से बचें। ग्रहण को देखने की भूल न करें। महिलाएं ग्रहण के दौरान श्रृंगार न करें। गर्भवती स्त्रियों को ग्रहण के दौरान घर के अंदर रहना चाहिए। ग्रहण समाप्त होने के बाद ही ताजा बना हुआ भोजन करें।

ग्रहण योग का पड़ेगा व्यापक प्रभाव

विश्व के नजरिए से देखा जाए तो इस दौरान ग्रहों के प्रभाव से दो राष्ट्रों के मध्य तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। राष्ट्र अध्यक्षों के मध्य वाक् युद्ध की स्थिति बन सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के दृष्टिकोण से बड़ी नकारात्मक सूचना प्राप्त हो सकती है। लेकिन पद प्रतिष्ठा के लिए यह समय महिलाओं के लिए ठीक है। बौद्धिकता , नए अन्वेषण, व्यापारिक दृष्टिकोण से यह अवधि शुभ फल प्रदायक साबित होगा । ग्रहण से तीन महीने तक की अवधि में आम जनमानस के स्वास्थ्य में अवरोध, सुख में कमी ,नए रोगों का उत्पन्न होना , नए रोगों के आने से या होने से सुख में कमी होना ,आपसी मतभेद मनमुटाव, राजनीतिक दलों में कटुता का भाव। बड़े वाहन की दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। भारतीय रुपए का ह्रास हो सकता है। व्यापारिक दृष्टिकोण से यह समय ठीक रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से समय ठीक रहेगा एवं बौद्धिक दृष्टिकोण से भी यह समय उपयुक्त रहेगा।

शुभ-अशुभ प्रभाव

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

करें पूजा-पाठ और दान

ग्रहण के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आर-ाधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

संपादकीय

मंत्रिमंडल की लॉटरी

मानसून का मंत्रिमंडल सत्र तो हो गया, अब विधानसभा सत्र के आगाज की तिथि एवं मजमून तैयार हो रहा है। जाहिर है आपदा के वक्त सरकार की भूमिका और सियासत की परिभाषा में संगत होनी चाहिए, लेकिन बादल फटने का मूड और खड्डों के किनारे टूटने का उसूल बदल गया। हिमाचल इसी मानसून से बहुत कुछ देख रहा है-कहीं पानी पुलों के ऊपर, तो कहीं शहर की गलियां खड्डें बन रही हैं। ऐसे में राहत के न परचम और न ही पांव गिने जाएंगे, फिर भी मंत्रिमंडल की बैठक के सारे उद्बोधन आश्वासन दे रहे हैं कि टूटे घरों की खिड़कियां, पुनः देख पाएंगी अपनी राहत की नींव और सरकार की इच्छाशक्ति की छत करीब आएगी। सरकार टूटे घर को सात लाख और क्षतिग्रस्त को एक लाख हर्जाना देने का हिसाब लगा रही है। मंत्रिमंडल के चार दिन, कई घरों, बेरोजगारों और कर्मचारी इश्तिहारों पर सपने लिख गए। तीन लाख सालाना आय तक, करुणामूलक नौकरी की पात्रता का संदेश कई परिवारों के उजड़े दरिया में समुद्र खोज लाएगा, तो नर्सिंग पाठ्यक्रम में बढ़ती सीटों के आगोश में अभिभावक अपनी औलाद के सपनों को हकीकत में बदल पाएंगे। जाहिर है कई फैसले आवश्यकतानुरूप लिए गए, कई आशा बढ़ाने को लिए गए और कई कारनामा दिखाने को लिए गए, लेकिन प्रदेश के गाल थपथपाने के लिए भी कई सुर्खियां सामने आई हैं। मंत्रिमंडल के सामने आपदा के खुले दरवाजे, विपक्ष की गश्त, बेरोजगारों की कतार, विकास की गुहार और प्रदेश की महत्त्वाकांक्षा के उद्गार लगातार सुने गए, तो हिमाचल के संसाधनों की देखरेख में सियासत के बिल्ले चमकाने की भी आहट रही। इसलिए हिमाचल में अब लॉटरी के खेल-खेल में सौ करोड़ जुटाए जाएंगे यानी शराब के धंधे के बाद लॉटरी का चस्का, प्रदेश के खजाने का रुतबा बढ़ाएगा। अगर पड़ोस में लॉटरी का वसंत काम आया, तो हमारे आंगन में पतझड़ क्यों रखी जाए। चार दिन में भर्तियों की टोकरियां भरी गईं, तो पर्यटन निवेश के जरिये रोजगार को आमंत्रित किया जा रहा है। टूरिज्म क्षेत्र में निवेश प्रोत्साहन परिषद का गठन एक नई हुंकार पैदा कर रहा है। देखना होगा कि कितने कदम लेकर परिदृश्य में नया चमन करवट लेता है। सोलन-सिरमौर में सेटेलाइट टाउन बनाने की उमंग से आवासीय जरूरतों को शगुन मिलने की संभावना बढ़ जाती है, लेकिन पूरे प्रदेश के नक्शे से निकल कर रीयल एस्टेट का जादू चंडीगढ़ के आसपास जिस रफ्तार से बढ़ा है, वहां हिमाचल को शहरीकरण की संपूर्णता में पढऩा होगा। बसा-बसाया बीबीएन अगर हर रात यहां के शहरीकरण से एक शहर चुराकर रोज चंडीगढ़ की ओर निकल जाता है, तो समझना यह भी होगा कि कहां बस्ती और मंजिल बनानी पड़ेगी। हिमाचल में मोहाली व पंचकूला की तर्ज पर ऊना में एक बड़े शहर की गुंजाइश की भी परख होनी चाहिए। सियासी तौर पर शहरी निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण की पहल से कांग्रेस के राष्ट्रीय मंसूबों का स्थान पक्का किया जा रहा है। हैरानी बस यही है कि मंत्रिमंडल की बैठक और बाहर की चहल पहल में कहीं अंतर पैदा हो रहा है। हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से प्रदेश में रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की मांग करते हैं, लेकिन इधर केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर के ईंट-पत्थरों पर एतबार नहीं करते। मंत्रिमंडल केंद्रीय विश्वविद्यालय के देहरा परिसर को उन्नीस करोड़ का पानी पिलाने के लिए उदारता दिखाता है, लेकिन जदरांगल परिसर के अस्तित्व के लिए तीस करोड़ के भुगतान पर खामोश रहता है। जदरांगल परिसर को लेकर उदासीनता की सूची में धूमल व जयराम सरकारों के बाद सुक्खू सरकार भी शामिल हो गई है, यह अब स्वीकार कर लेना चाहिए। भले ही पर्यटन निगम के दफ्तर ने कश्मीर हाउस परिसर को निजी हाथों में जाने से रोक लिया, मगर धर्मशाला के शैक्षणिक माहौल को शिफ्ट करने के लिए सीयू कैंपस का खेल जारी है।

> जाहिर है आपदा के वक्त सरकार की भूमिका और सियासत की परिभाषा में संगत होनी चाहिए, लेकिन बादल फटने का मूड और खड्डों के किनारे टूटने का उसूल बदल गया। हिमाचल इसी मानसून से बहुत कुछ देख रहा है-कहीं पानी पुलों के ऊपर, तो कहीं शहर की गलियां खड्डें बन रही हैं। ऐसे में राहत के न परचम और न ही पांव गिने जाएंगे, फिर भी मंत्रिमंडल की बैठक के सारे उद्बोधन आश्वासन दे रहे हैं कि टूटे घरों की खिड़कियां, पुन: देख पाएंगी अपनी राहत की नींव और सरकार की इच्छाशक्ति की छत करीब आएगी। सरकार टूटे घर को सात लाख और क्षतिग्रस्त को एक लाख हर्जाना देने का हिसाब लगा रही है। मंत्रिमंडल के चार दिन, कई घरों, बेरोजगारों और कर्मचारी इश्तिहारों पर सपने लिख गए। तीन लाख सालाना आय तक, करुणामूलक नौकरी की पात्रता का संदेश कई परिवारों के उजड़े दरिया में समुद्र खोज लाएगा

कुछ अलग

खोखा प्रवृत्ति न अपनाएं

कोई पूछे हिमाचल के दिन कैसे गुजर रहे, तो हर कोई अपनी-अपनी सुविधा, अपनी-अपनी सियासत और अपने-अपने स्वार्थ को देखकर बताएगा। दिन, हर दिन कहर बन कर टूट रहा, तो क्या विधानसभा का मानसून सत्र, इस बार पर्वतीय राज्य के अस्तित्व और भविष्य से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा कर पाएगा। हम खोखा प्रवृत्ति का राज्य बन रहे हैं, जहां सरकारें दिहाड़ी पर दिन गुजार कर जनता को सिर्फ मुलायम संदेश दे रही हैं। कांगड़ा जिला परिषद की बैठक में पार्षदों की सोच का अंदाजा लगाया जाए, तो न कभी सुशासन आएगा और न ही राज्य अपने पैरों पर खड़ा हो पाएगा। पार्षद अपने-अपने चुनावी घूंट पीकर बेहतरीन मांग पत्र रखते हैं, लेकिन उन्हें यह मंजूर नहीं कि कहीं राज्य की आत्मनिर्भरता के उसूल कोई शुल्क मांग सकें। धर्मशाला के डीसी आफिस पार्किंग की व्यवस्था में अगर वाहन पार्किंग शुल्क मांग लिया जाए, तो यह अर्थगणित उनकी आंख में चुभता है। आश्चर्य प्रदेश की सहमति, विवेक, विवाद और बहस के बिंदुओं पर भी होता है, जहां अतिक्रमण की गलियों में विमर्श होने लगा है। अब सोशल मीडिया के कुछ ऐसे पैरोकार जो प्रदेश को अपने पांव पर चलते हुए नहीं देखना चाहते। अतिक्रमण के खिलाफ कोई स्थानीय निकाय जुर्रत करता भी है, तो मोबाइल की टॉर्च में सोशल मीडिया की ठोकरें गिनने वालों को यह दर्द है कि शहर में अवांछित रेहडियां क्यों हटा दीं। क्यों अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन सक्रिय होता दिखा।

वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

ललित गर्ग

> मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस "भगवा आतंकवाद" की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुन: जीवित करता है।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस "भगवा आतंकवाद" की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है। अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी। भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और

उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दाफाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी। इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था।

इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया? हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है। इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-"आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है" इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है। वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था।

देश दुनिया से

विवाह परंपराएं : इतिहास से आधुनिकता तक

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, यह सार्वभौमिक एवं सर्वमान्य सत्य है। समाज विभिन्न प्रकार के सामाजिक संबंधों की एक जटिल संरचना है जिसमें परिवार को एक मूलभूत एवं महत्वपूर्ण संस्था के रूप में समाजशास्त्रियों ने परिभाषित किया है। परिवार को संस्था के रूप में स्वीकार करना, एक बेहतर, सशक्त और सभ्य समाज के निर्माण में इसकी भूमिका को रेखांकित करता है। मनुष्य अपनी प्रारंभिक सामाजिक शिक्षा परिवार से ही प्राप्त करता है और इसी कारण मां को प्रथम गुरु की संज्ञा दी गई है। इस सामाजिक संरचना में विवाह को भी एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप में देखा गया है, जो व्यक्ति को सामाजिक जीवन में प्रवेश का माध्यम प्रदान करती है। विवाह का मूल उद्देश्य संतान-उत्पत्ति और परिवार की स्थापना होता है। इस प्रकार, विवाह समाज की एक अनिवार्य इकाई है जो परिवार रूपी संस्था की नींव रखता है। समय, काल और परिस्थितियों के अनुसार विवाह और परिवार की अवधारणाओं में निरंतर परिवर्तन होता रहा है। एक समय में प्रचलित संयुक्त और संगठित परिवार की परंपरा अब धीरे-धीरे एकल परिवार में परिवर्तित हो गई है। यह बदलाव केवल परिवार तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि समग्र सामाजिक ढांचा भी परिवर्तन की इस धारा से प्रभावित हुआ है। वास्तव में, परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है, जो शाश्वत सत्य है। हमारे समाज में विवाह की विभिन्न प्रणालियां प्राचीन काल से विद्यमान रही हैं। समय के साथ इनमें भी अनेक बदलाव आए हैं। एक समय में बहुपति तथा बहुपत्नी विवाह की प्रथा समाज में व्यापक रूप से प्रचलित थी, किंतु धीरे-धीरे सामाजिक चेतना, धार्मिक मूल्यों तथा कानूनी व्यवस्थाओं के प्रभाव से यह स्वरूप बदलता गया और वर्तमान में एक पत्नी तथा एक पति विवाह प्रणाली को ही सामाजिक रूप से मान्यता प्राप्त है। वहीं, पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव के कारण आज 'लिव इन रिलेशनशिप' जैसी अवधारणाएं भी सामने आई हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें बिना विवाह के दो व्यक्ति एक साथ सहजीवन व्यतीत करते हैं। हालांकि, इसमें भावनात्मक व शारीरिक सहभागिता तो होती है, किंतु वैवाहिक प्रतिबद्धता और सामाजिक मान्यता का अभाव रहता है। ऐसे में यह विचारणीय प्रश्न है कि क्या लिव इन जैसी व्यवस्थाएं विवाह संस्था के मूल उद्देश्य- सदैव के लिए प्रतिबद्धता, सामाजिक उत्तरदायित्व, परिवार की स्थापना तथा भावनात्मक स्थायित्व इत्यादि को पूर्ण कर पाने में सक्षम हैं? यह एक गूढ़ और जटिल प्रश्न है जिस पर समाज को गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटें तो बहुपत्नी विवाह (एक पुरुष की अनेक पत्नियां) के कई उदाहरण सामने आते हैं। जहां एक तरफ पटियाला के राजा भूपिंदर सिंह की 10 शादियां होने का उल्लेख मिलता है, वहीं रामायण में राजा दशरथ की तीन पत्नियां थीं, जबकि महाभारत में पांडु की दो पत्नियों- कुंती और माद्री का वर्णन मिलता है। यह विवाह की वह प्राचीन परंपरा थी, जो विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और पारिवारिक कारणों से उस काल में प्रचलित रही। हालांकि समय के साथ समाज और कानून दोनों में बदलाव आए। 1955 में लागू हुए हिंदू विवाह अधिनियम के तहत बहुविवाह एवं बहुपत्नी विवाह को अवैध घोषित कर दिया गया। अब एक समय में एक ही वैध पत्नी को मान्यता दी जाती है। यदि किसी विवाहित व्यक्ति ने दूसरा विवाह किया, तो केवल पहली पत्नी को ही कानूनी अधिकार प्राप्त होते हैं। संबंध विच्छेद (तलाक) के उपरांत पुनर्विवाह की स्वतंत्रता भी दी गई है। यह अधिनियम हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म के अनुयायियों पर लागू होता है, लेकिन मुस्लिम, ईसाई या अन्य धर्मावलंबियों पर इसकी बाध्यता नहीं है। जहां एक ओर बहुपत्नी विवाह का इतिहास व्यापक है, वहीं बहुपति विवाह (एक महिला के अनेक पति) भी कुछ क्षेत्रों में प्राचीन परंपरा का हिस्सा रहा है। हाल के दिनों में हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के शिलाई क्षेत्र में इस प्रथा की चर्चा फिर से सामने आई है जिसमें एक महिला ने स्वेच्छा से दो सगे भाइयों के साथ सहर्ष विवाह किया है। यह वाकया हमें पुराने रीति-रिवाजों की तरफ ले जाता है, जबकि नई पीढ़ी के लिए यह हैरत में डालकर सोचने पर विवश करता है। यद्यपि आज इसका प्रचलन सीमित रह गया है, परंतु यह प्रथा पहले उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों जैसे कि उत्तराखंड का जौनसार बावर, हिमाचल का शिलाई, किन्नौर और शिमला सहित अन्य इलाकों में सामान्य मानी जाती थी। महाभारत में द्रौपदी का विवाह पांच पांडवों से होना इस परंपरा का प्राचीन उदाहरण है। पांडवों के वनवास काल में इन क्षेत्रों में उनके निवास के संकेत मिलते हैं, जिससे माना जाता है कि बहुपति विवाह की परंपरा वहीं से प्रभावित हो सकती है। आज बहुपति विवाह लगभग विलुप्त हो चुका है, किंतु इस प्रथा के समर्थक और विरोधी दोनों ही अपने-अपने तर्क प्रस्तुत करते हैं। समर्थकों का मानना है कि यह प्रथा नारी को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देती है। कई महिलाएं इसे एक वरदान मानती हैं, वे कहती हैं कि वे 'अक्षय सुहागिन' हैं, उन्हें विधवा होने का डर नहीं रहता, और उनके बच्चों के सिर से पिता का साया नहीं उठता। वहीं इसके विरोधी इसे नारी की स्वतंत्रता, सम्मान और मानसिक स्वास्थ्य के विरुद्ध मानते हैं। उनका मानना है कि यह प्रथा आधुनिक समाज में महिलाओं की गरिमा और समानता के सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि न केवल भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में, बल्कि चीन के सिचुआन प्रांत में रहने वाली गियांग जनजाति में भी यह प्रथा आज भी प्रचलन में है। वहां की महिलाएं इसे अपनी संस्कृति का गौरव मानती हैं और इसे स्वेच्छा से अपनाती हैं। विवाह की प्रथा समय, स्थान और सामाजिक संदर्भ के अनुसार बदलती रही है। चाहे वह बहुपत्नी विवाह हो या बहुपति विवाह, दोनों ही व्यवस्थाओं को समझने के लिए ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोणों की गहराई में जाना आवश्यक है। आज के समय में जहां व्यक्तिगत अधिकार और समानता की बात की जाती है, वहां इन परंपराओं पर पुनः विचार करना एक बौद्धिक विमर्श का विषय बन गया है।

आप का नजरिया

पर्यटन और विकास

पर्यटन एक बहुआयामी और सतत विकास की दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली उद्योग है, जो केवल एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा तक सीमित नहीं है। यह वैश्विक सांस्कृतिक संवाद, सामाजिक समरसता और आर्थिक प्रगति का सशक्त माध्यम बन चुका है। पर्यटन मानव जीवन के विविध पक्षों को जोडऩे वाला एक ऐसा क्षेत्र है जो न केवल पर्यटकों के लिए अनुभव और आनंद का जरिया है, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए आजीविका, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण का माध्यम भी बनता है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार पर्यटन उन व्यक्तियों की गतिविधियों को कहा जाता है जो अपने सामान्य वातावरण से बाहर अवकाश, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों से एक वर्ष से कम अवधि के लिए यात्रा करते हैं। यह परिभाषा पर्यटन को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसके भीतर अवकाश पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, ईको-टूरिज्म और व्यावसायिक पर्यटन जैसी विविध श्रेणियों को समाहित करती है। विश्व स्तर पर पर्यटन की स्थिति पर दृष्टि डालें तो फ्रांस 2023 तक, दुनिया का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने वाला देश रहा है। 2023 में लगभग 8.9 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फ्रांस आए। इसके बाद स्पेन, अमरीका, इटली और तुर्की जैसे देश आते हैं। ये देश अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन अवसंरचना के लिए प्रसिद्ध हैं। वहीं, दुनिया में कुछ स्थल ऐसे हैं जो हर वर्ष करोड़ों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें फ्रांस का एफिल टॉवर, अमरीका का टाइम्स स्क्वायर और ग्रैंड कैन्यन, इटली का कोलोसियम, चीन की ग्रेट वॉल और भारत का ताजमहल प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक स्थलों जैसे वेटिकन सिटी, काशी विश्वनाथ और बौद्ध सर्किट का महत्व भी बहुत अधिक है। पर्यटन का आर्थिक योगदान भी अलग-अलग देशों में भिन्न है। 2024 तक मालदीव, मकाऊ और सेशेल्स जैसे देशों की जीडीपी में पर्यटन का योगदान सबसे अधिक है। उदाहरण के लिए मालदीव की जीडीपी का लगभग 66 फीसदी पर्यटन से आता है, जो विश्व में सबसे अधिक है। इसके बाद मकाऊ (60 फीसदी) और सेशेल्स (40 फीसदी) जैसे छोटे द्वीप राष्ट्र आते हैं। इन देशों की अर्थव्यवस्था लगभग पूर्ण रूप से पर्यटन पर निर्भर करती है। आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो पर्यटन का योगदान किसी भी देश की समग्र प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्ल्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसिल की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक पर्यटन क्षेत्र ने 11.1 ट्रिलियन डॉलर का योगदान वैश्विक जीडीपी में किया, जो कि कुल जीडीपी का लगभग 10 फीसदी है। इस क्षेत्र ने लगभग 348 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान किया, अर्थात हर दस में से एक व्यक्ति इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा है। भारत की बात करें तो आंकड़ों के अनुसार, भारतीय पर्यटन उद्योग ने 19.13 लाख करोड़ रुपए का योगदान देश की अर्थव्यवस्था में किया है, जो राष्ट्रीय जीडीपी का 9.1 फीसदी है। यह क्षेत्र करीब 4.3 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। घरेलू पर्यटन के आंकड़े भी उत्साहवर्धक हैं। पर्यटन केवल खुद में एक उद्योग नहीं है, बल्कि यह परिवहन, आतिथ्य, हस्तशिल्प, मनोरंजन और सेवा क्षेत्र जैसे अन्य उद्योगों को भी गति देता है, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उत्पन्न होते हैं। भारत सरकार की 'स्वदेश दर्शन 2.0' और पीआरएएसएचएडी योजनाएं उल्लेखनीय हैं।

> संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार पर्यटन उन व्यक्तियों की गतिविधियों को कहा जाता है जो अपने सामान्य वातावरण से बाहर अवकाश, व्यवसाय या अन्य उद्देश्यों से एक वर्ष से कम अवधि के लिए यात्रा करते हैं। यह परिभाषा पर्यटन को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसके भीतर अवकाश पर्यटन, सांस्कृतिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, चिकित्सा पर्यटन, ईको-टूरिज्म और व्यावसायिक पर्यटन जैसी विविध श्रेणियों को समाहित करती है। विश्व स्तर पर पर्यटन की स्थिति पर दृष्टि डालें तो फ्रांस 2023 तक, दुनिया का सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने वाला देश रहा है। 2023 में लगभग 8 .9 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक फ्रांस आए। इसके बाद स्पेन, अमरीका, इटली और तुर्की जैसे देश आते हैं। ये देश अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन अवसंरचना के लिए प्रसिद्ध हैं।

दृष्टि कोण

रूस में जापान जैसी सुनामी का कहर

तीन साल से भी अधिक समय से यूक्रेन से युद्ध लड़ रहे रूस में 8.8 तीव्रता के भीषण भूकंप ने नई त्रासदी खड़ी कर दी है। रूस के पूरब में स्थित कामचटका प्रायद्वीप में 30 जुलाई 2025 को आए भूकंप के झटकों से कामचटका और उसके आसपास कुरील द्वीप समूह के भूखंड हिल गए। इसे विश्व में आए सबसे तीव्र भूकंपों में दर्ज किया गया है। इस प्राकृतिक आपदा से भारी नुकसान और अनेक लोगों के घायल होने की सूचनाएं हैं, इसके असर से प्रायद्वीप के समुद्र तटों से 16 फीट ऊंची सुनामी जैसी लहरें टकराईं, जिससे तटीय इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। इसकी तुलना मार्च 2011 में जापान में आए 9.0 तीव्रता के भूकंप से की जा रही है। इसे समुद्री सुनामी कहा गया था। इस सुनामी से जापान के फुकुशिमा, दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र का कूलिंग सिस्टम निश्क्रिय करना पड़ा था। कामचटका में चार नवंबर 1992 को आए 9.0 तीव्रता के भूकंप के कारण भारी क्षति हुई थी। इस भूकंप से जनहानि इसलिए नहीं होने पाई, क्योंकि भूकंप क्षेत्र से रूस का बड़ा शहर पेत्रोपावलोव्स्क-कामचत्सकी लगभग 119 किमी की दूरी पर है। यहां की आबादी 18 लाख है। भूकंप के बाद आने वाली सुनामी के खतरे से जापान, चीन, फिलीपींस, इंडोनेशिया, अमेरिका और प्रशांत महासागर के तटवर्ती देशों को सतर्क रहने के लिए कहा गया है। जापानी और अमेरिकी भूकंप वैज्ञानिकों ने बताया कि इस भूकंप की आरंभिक तीव्रता 8.0 थी, किंतु अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस तीव्रता का आकलन 8.8 किया और इसे 20.7 किमी भूगर्भ से आना बताया है। अलास्का स्थित राष्ट्रीय सुनामी चेतावनी केन्द्र के समन्वयक डेव स्नाइडर का कहना है कि सुनामी जैसी लहरों का प्रभाव कई घंटों या एक दिन से भी अधिक समय तक रह सकता है। सुनामी केवल एक लहर नहीं होती, बल्कि यह लंबे समय तक चलने वाली शक्तिशाली लहरों की एक श्रृंखला होती है। सुनामी एक विमान की गति से सैंकड़ों मील प्रति घंटे की रफ्तार से समुद्र पार करती है। किंतु जब लहरें किनारे के निकट पहुंचती हैं, तब उनकी गति धीमी पड़ जाती है। किंतु किनारे पर इनके एकत्रीकरण से जल प्रलावन की आशंका बढ़ जाती है। इस कारण पानी की ये लहरें धरती पर पहुंचती हैं और आगे-पीछे होती रहती हैं। दुनिया में अब तक 8.6 तीव्रता से लेकर 9.5 तीव्रता के भूकंप चिली, अलास्का, सुमात्रा, तोहोकू, कामचटका (1952), चिली (2010), इक्वाडोर, अलास्का (1965), अरुणाचल प्रदेश भारत और सुमात्रा (2012) आए हैं। इन भूकंपों में जान और माल का भारी नुकसान हुआ है। दरअसल दुनिया के नामचीन विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों की मानें तो सभी भूकंप प्राकृतिक नहीं होते, बल्कि उन्हें विकराल बनाने में हमारा भी हाथ होता है। प्राकृतिक संसाधनों के अकूत दोहन से छोटे स्तर के भूकंपों की पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। भविष्य में इन्हीं भूकंपों की व्यापकता और विकरालता बढ़ जाती है। यही कारण है कि भूकंपों की आवृत्ति बढ़ रही है। पहले 13 सालों में एक बार भूकंप आने की आशंका बनी रहती थी, लेकिन अब यह घटकर 4 साल हो गई है। अमेरिका में 1973 से 2008 के बीच प्रति वर्ष औसतन 21 भूकंप आए, वहीं 2009 से 2013 के बीच यह संख्या बढक़र 99 प्रति वर्ष हो गई। यही नहीं, आए भूकंपों का वैज्ञानिक आकलन करने से यह भी पता चला है कि भूकंपीय विस्फोट में जो ऊर्जा निकलती है, उसकी मात्रा भी पहले की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली हुई है। 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में जो भूकंप आया था, उनसे 20 थर्मान्यूक्लियर हाइड्रोजन बमों के बराबर ऊर्जा निकली थी। यहां हुआ प्रत्येक विस्फोट हिरोशिमा-नागाशाकी में गिराए गए परमाणु बमों से भी कई गुना ज्यादा ताकतवर था। 2011 में जापान और फिर क्वोटो में आए सिलसिलेवार भूकंपों से पता चलता है कि धरती के गर्भ में अंगड़ाई ले रही भूकंपीय हलचलें महानगरीय आधुनिक विकास और आबादी के लिए अधिक खतरनाक साबित हो रही हैं। ये हलचलें भारत, पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की धरती के नीचे भी अंगड़ाई ले रही हैं। इसलिए इन देशों के महानगर भी भूकंप के मुहाने पर हैं। भूकंप आना कोई नई बात नहीं है। जापान, इक्वाडोर और नेपाल समेत पूरी दुनिया इस अभिशाप को झेलने के लिए जब-तब विवश होती रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन का काम जल्दी ही निपट जाएगा. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिव जी का पंचाक्षर मंत्र जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी थकावट भी रहेगी.परन्तु सफलता भी हैं कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. विवाह सम्बन्ध मे बाधा रहेगी , दुर्गा जी का मंत्र जप करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कार्य सिद्ध होंगे आप मे उत्साह भरपूर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है. बच्चों के साथ शाम के वक्त समय जरुर बिताए ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज हनुमानजी को चमेली के तेल का दीप प्रज्वलित करें काम पूरे होंगे खर्च पर नियंत्रण रखें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. शाम तक पूरे काम निपट जांएगे आप रिलैक्स महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपनी माता पिता का जरुरी कार्य पहले पूरा करेंगे. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान–पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. छोटी कन्या को दूध की मिठाई जरूर दें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज व्यापार मे निवेश करना बढ़ीया रहेगा । अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता हैं काम से फूर्सत मिलते ही आराम करें नये काम का बोझ मत डालें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज व्यापार का लिए समय अनुकूल है साझेदारी भी कर सकते हैं भविष्य मे लाभदायक रहेगा अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले दही का सेवन जरुर करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज छात्रों का दिन अच्छा और सफलता वाला रहेगा नये कोर्स मे सफलता भी मिलेगी सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख़्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.मछलियों को आटा डाले मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज धन का लाभ बनेगा आय के स्त्रोत बढ़ेंगे । शाम को जीवनसाथी के साथ घूमने जरुर जाए . इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. लक्ष्मी जी को पद्मपुष्प चढाए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

व्यापार के लिए समय आज अनूकूल नही हैं विचार प्रूवक निवेश करें कर्ज लेने से बचें पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद–विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. डिनर हल्का लेवें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज मौसमी बीमारियों से परिवार के बच्चे परेशान रहेंगे घर मे गाय के धूप को जलाए . किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. किसी मित्र के यहां शाम का वक्त बितेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी दिनचर्या मे बदलाव लाना होगा जिससे उन्नति होगी स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा परेशानियों से स्थायी निजात मिलेगा स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन–देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा का योग नही हैं फिलहाल यात्रा टालदें । छात्रों को सफलता बन रही हैं अध्यापक शिक्षक पूरा सहयोग करेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 अगस्त 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 09:36 तक
नक्षत्र : भरणी प्रात: 06:06 तक
योग : वृद्धि प्रात: 07:21 तक
करण : बालव प्रात: 10:43 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रात: 11:44 तक
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:51 ,सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत वैष्णवानाम् ,
मन्वादि तिथि , मघा में रवि सिंह संक्रांति रात्रि 01:52 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत लिख रहा आत्मनिर्भरता की नई कहानी : भजनलाल

जोधपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं–यातनाएं झेलने वाले ज्ञात–अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन–रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बीते 11 वर्ष में ऐतिहासिक निर्णय एवं कार्य किए हैं। स्वच्छ भारत अभियान, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और किसान सम्मान निधि जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन के सपने पूरे हो रहे हैं। शर्मा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत 140 करोड़ भारतीयों का सपना, दृढ़ निश्चय और एक जन आंदोलन है। इस सपने को साकार करने में सभी सक्रिय रूप से देश की प्रगति में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि 'वोकल फॉर लोकल' से प्रेरणा लेते हुए हमें स्वदेशी उत्पादों को गर्व के साथ अपनाना है। 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब जय अनुसंधान जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आर्थिक ताकत ही नहीं बल्कि सैन्य ताकत के रूप में भी उभरा है, जिसकी बानगी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के रूप में सारी दुनिया ने देखी है। ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि हमारे देश की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि अब सुरक्षा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। भारत अब आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जिसका नेतृत्व ऐसे प्रधानमंत्री के हाथ में है जो कहने में नहीं, करने में विश्वास रखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश को जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को लेकर हम काम कर रहे हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना और यमुना जल समझौते पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। नवनेरा बैराज का कार्य पूर्ण हो गया है और यमुना जल समझौते के तहत टास्क फोर्स ने धरातल पर सर्वे का काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत भामाशाहों एवं प्रवासी राजस्थानियों की मदद से हजारों जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन हरियालो राजस्थान में हम 5 साल में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं और अब तक 15 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं।शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति–2024 जारी की गई है, जो 2030 तक प्रदेश के अक्षय ऊर्जा उत्पादन को 125 गीगावाट के स्तर तक ले जाने में बड़ी भूमिका निभाएगी। 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है और सभी किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार 5 साल में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क तैयार करेगी।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के सानिध्य में राजभवन में एट होम आयोजित

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राजभवन में 15 अगस्त, शुक्रवार सायं एट होम का आयोजन हुआ। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के सानिध्य में आयोजित हुए एट होम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट जनों सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित हुए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आगंतुकों से मुलाकात कर सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। एट होम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित मंत्रिमंडल के सदस्य, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधिगण, कुलगुरु, प्रशासन और पुलिस के अधिकारी, न्यायाधीपतिगण, समाजसेवी, मीडिया के प्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा में किया ध्वजारोहण, कहा–राष्ट्र सेवा का संकल्प लें

जयपुर, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को प्रातः यहां विधान सभा में स्वतन्त्रता दिवस के मौके पर ध्वज–ारोहण किया। विधान सभा अध्यक्ष ने स्वतंत्रता दिवस की सभी लोगो को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि आज का दिन हम सभी भारतीयों के लिए गौरव का दिन है। यह अवसर हमें उन अमर बलिदानियों का स्मरण कराता है जिनके अदम्य साहस, संघर्ष और बलिदान से हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। यह 90 वर्षों के आन्दोलन के बाद हमें देश को आजादी दिलाने में सफलता मिली। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए नए भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान दे।

वासुदेव देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता की आस्था और विश्वास है, जिसे सशक्त करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। विधानसभा जनभावनाओं का पवित्र मंदिर है और हमें मिलकर इसे लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित के निर्णयों का केंद्र बनाए रखना है। हमारा कर्तव्य है कि हम देश की प्रगति में भागीदार बने। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप देश के चारों और की सामयिक स्थितियों के दृष्टिगत हम सभी को राष्ट्र रक्षा और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर विधायकगण, जनप्रतिनिधिगण, पूर्व विधायकगण मौजूद थे। विधान सभा के प्रमुख सचिव श्री भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के. के. शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारीगण समारोह में उपस्थित थे। विधान सभा भवन प्रांगण में आयोजित समारोह में राष्ट्रगान राजस्थान पुलिस बैंड ने प्रस्तुत किया। समारोह के आरम्भ में वन्देमातरम प्रस्तुत किया गया। राजकीय आवास पर ध्वजारोहण– विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने शुक्रवार को प्रातः सिविल लाइन्स स्थित राजकीय निवास पर भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की पत्नी इन्द्रा देवनानी, सुपुत्र महेश देवनानी व परिजन सहित अधिकारी व कर्मचारीगण तथा आमजन मौजूद थे।

हमारे वीर जवान ही हमारी ताकत, हमारी पहचान और हमारी शान : बड़ौली

चंडीगढ़, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर शुक्रवार को सोनीपत के राई हलके के ताजपुर और जैनपुर गांव में ध्वजारोहण किया। बड़ौली ने इस अवसर पर देश के ज्ञात व अज्ञात शहीदों को नमन किया और प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अपने संबोधन में मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि देश की एकता, अखंडता की रक्षा के लिए हमारे वीर जवानों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया तब जाकर हमें आजादी मिली। उन्होंने कहा कि हमारे वीर जवान ही हमारी ताकत, हमारी पहचान और हमारी शान हैं। बड़ौली ने कहा कि सैनिकों के कल्याण हेतु भाजपा सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हरियाणा की नायब सरकार शहीदों के परिवारों के सम्मान और भलाई के लिए निरंतर काम कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज देश हर्षोल्लास और उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, पूरा भारत तिरंगामय है और तिरंगा ही हमारे इतिहास, संघर्ष और सपनों का जीवंत प्रतीक है। बड़ौली ने कहा कि वीर सैनिकों के कारण ही हम चैन की नींद सो पाते हैं और इन्हीं की वजह से एक सूत्र भारत का निर्माण आज हो रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या की और हमारी बहनों के सिंदूर को उजाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के बाद कड़ा एक्शन लिया और हमारे वीर जवानों ने पाकिस्तान में आतंकवाद के 9 ठिकानों को ध्वस्त किया। बड़ौली ने कहा कि यह केवल प्रतिशोध नहीं था, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत का संदेश है।

पंचकूला में सतर्कता ब्यूरो ने मनाया स्वतंत्रता दिवस उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

पंचकूला, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने आज अपने मुख्यालय और सभी रेंज कार्यालयों में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर, ब्यूरो के अधिकारियों और कर्मचारियों ने देशभक्ति की भावना के साथ समारोह में भाग लिया। समारोह के दौरान, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हरियाणा ने उन अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया, जिन्होंने ब्यूरो में उत्कृष्ट कार्य किया है। यह सम्मान उनकी कड़ी मेहनत और ईमानदारी के प्रति ब्यूरो की सराहना को दर्शाता है।

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर किया ध्वजारोहण

चंडीगढ़, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज राज्य स्तरीय 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुलिस लाइन, अंबाला में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। समारोह की शुरुआत शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि देने से हुई। राज्यपाल ने आकाश में गुब्बारे छोड़कर प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर युद्ध वीरांगनाओं, स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों, आपातकालीन व हिंदी आंदोलन में भाग लेने वाले महानुभावों को सम्मानित किया गया। अपने संदेश में राज्यपाल ने 79 वर्ष पूर्व मिली आजादी को बलिदानियों की अमर गाथा बताया और देश की एकता, प्रगति व भाईचारे के संकल्प को दो–हराया। उन्होंने हरियाणा के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान, कृषि, उद्योग, खेल और तकनीकी उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। राज्यपाल ने कहा कि हरियाणा ने न केवल स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई बल्कि आजादी के बाद भी सीमाओं की रक्षा, औद्योगिक विकास, खेलों और शिक्षा के क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता सेनानियों व उनकी विधवाओं की पेंशन बढ़ाकर 40 हजार रुपये मासिक कर दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह : मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के लिए किया वोकल फॉर लोकल का आह्वान

रोहतक, 15 अगस्त (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत आज चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसे विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाना है। इसके लिए उन्होंने नागरिकों से 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने शहीदी स्मारक पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की सीमाओं की रक्षा कर रहे जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी हरियाणा के जवानों ने देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों की पेंशन बढ़ाकर ₹40,000 मासिक कर दी है और युद्ध में शहीद सैनिकों के परिवारों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को बढ़ाकर 1 करोड़ किया गया है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को 'विकसित राष्ट्र' बनाने के लक्ष्य में हरियाणा का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े 10 वर्षों में सरकार ने भेदभाव वाली व्यवस्था को खत्म कर भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार किया है। इस दौरान 1 लाख 80 हजार युवाओं को बिना खर्ची–पर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां: किसानों की सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है और अब तक ₹1.48 लाख करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खातों में डाली गई है। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण को दो वर्गों में बांटा गया है और पिछड़ा वर्ग की क्रीमिलेयर आय सीमा बढ़ाकर ₹8 लाख की गई है। 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' के तहत गरीब बेटियों को ₹71,000 का शगुन दिया जा रहा है।आयुष्मान भारत–चिरायु योजना में लगभग 22 लाख लोगों का मुफ्त इलाज हुआ है। राज्य के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा गया है। महिलाओं को 'लखपति दीदी' और 'ड्रोन दीदी' जैसी योजनाओं से सशक्त किया जा रहा है। 21 नए राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किए गए हैं और रिठाला से कुंडली मेट्रो कॉरिडोर का शिलान्यास किया गया है।

झंडा फहराकर सीएम योगी ने दी स्वतंत्रता दिवस की बधाई

आजादी का अर्थ राष्ट्रीय कर्तव्यों का पालन : योगी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई दी

भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को हृदय से बधाई दी और स्वतंत्रता संग्राम के उन महान नायकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश को सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्ति दिलाई। सीएम योगी ने कहा कि यह स्वतंत्रता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और असंख्य क्रांतिकारियों के त्याग, बलिदान और संघर्षों का परिणाम है, जिन्होंने उत्तर से दक्षिण, पूरब से पश्चिम तक देश को एकजुट कर आजादी की लड़ाई लड़ी।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारत के संविधान के शिल्पी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और अन्य स्वाधीनता सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का यह पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूकता और संकल्प का अवसर है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 'विकसित भारत' के संकल्प की ओर तेजी से अग्रसर है। भारत का संविधान अपने अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। भारत के संविधान ने सम और विषम परिस्थितियों में पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध करके देश के अंदर सामाजिक न्याय, बंधुता और समता के उन संकल्पों को आगे बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है।

सीएम योगी ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के शौर्य और स्वदेशी हथियारों जैसे मिसाइलों और ड्रोनों, की ताकत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह भारत की आत्मनिर्भरता और सामर्थ्य का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से स्थानीय उत्पादन को आगे बढ़ाने उसकी ब्रांडिंग करने, उसे मार्केट से लिंक करने, उसको नई डिजाइन और नई तकनीक व पैकेजिंग के साथ न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश और दुनिया के मार्केट तक पहुंचाने के लिए जो कार्यक्रम चला वह प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल के उस अभियान को एक नई ऊंचाई प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को जीवन का हिस्सा बनना देश के स्वाधीनता दिवस का एक संकल्प बनना चाहिए। सीएम योगी ने देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में सिविल पुलिस और अन्य संगठनों की भूमिका की भी सराहना की। सीएम योगी ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस शहीदों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रेरणा लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के हर नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति संकल्पबद्ध होकर विकसित भारत के सपने को साकार करना होगा।

चार पीढ़ियों का विवाद पांच मिनट में खत्म होगा

यूपी सरकार जल्द लाने जा रही है नायाब योजना

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने विकसित भारत विकसित यूपी के विजन-2047 पर चर्चा करते हुए बड़े बदलावों की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने

बताया कि विभिन्न न्यायालयों में सबसे ज्यादा मामले पारिवारिक विवादों के हैं। हम जल्द ऐसी योजना लाने जा रहे हैं जिसमें चार पीढ़ियों में आपसी सहमति से विवाद का खात्मा मात्र पांच मिनट में पांच हजार रुपए के स्टांप से हो जाएगा। किराये संबंधी विवाद भी बहुत हैं। इन्हें भी कम करने के लिए रेंट एग्रीमेंट के रजिस्ट्रेशन के नियमों को शिथिल कर ऐसी व्यवस्था बनाई जा रही है कि मात्र 1000, 2000, या 3000 में ही इसका पंजीकरण किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि पासपोर्ट कार्यालय की तर्ज पर रजिस्ट्री ऑफिस को भी अत्याधुनिक बनाया जाएगा। छोटे मूल्य के स्टांप पेपर पर स्टांप वेंडरों का कमीशन बढ़ाया जा रहा है। एटीएम की तर्ज पर स्टांप पेपर की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

किसी भी संपत्ति की रजिस्ट्री के बाद तुरंत स्वतः दाखिल खारिज की व्यवस्था भी की जा रही है। घर बैठे बहुत से प्रपत्रों की रजिस्ट्री कराने की व्यवस्था भी की जा रही है। स्टांप ड्यूटी का भुगतान कई माध्यमों से किया जाने की व्यवस्था की जा रही है। अब विवाह का पंजीयन विवाह स्थल पर ही कराने की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कौटिल्य ने कहा था कि कर वसूली संतुलित होनी चाहिए इतनी कि राज्य के खर्च पूरे हों, लेकिन प्रजा पर बोझ न पड़े। कर वसूली के बाद भी प्रजा के पास अपने जीवन और व्यापार के लिए पर्याप्त संसाधन बचे। कर वसूली का तरीका धीरे-धीरे और न्यायसंगत हो।

जैसे सूर्य वाष्प उठाकर बाद में वर्षा के रूप में पानी वापस देता है, वैसे ही राज्य को कर के रूप में ली गई राशि को सार्वजनिक सेवाओं, सुरक्षा, विकास और कल्याण योजनाओं के रूप में प्रजा को लौटाए, इसी सिद्धांत पर विभाग काम कर रहा है।

इसी का नतीजा है कि बिना स्टांप ड्यूटी बढ़ाए विभाग का राजस्व तीन गुना बढ़ा है। पिछले आठ वर्ष से सर्किल रेट में बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसके बावजूद आठ साल में रजिस्ट्री की संख्या 28 लाख से बढ़कर 50 लाख हो गई हैं।

आम लोगों के लिए सरकार की जुमलेबाजी

विधायकों के वेतन में 67 हजार की बढ़ोत्तरी

मंत्रियों को होगा फायदा पेंशन भी बढ़ी

लखनऊ, 15 अगस्त (एजेंसियां)। आम नागरिकों का काम तो सरकार की जुमलेबाजियों से चल जाता है। लेकिन सांसदों और विधायकों को उनकी अनुत्पादकता का पुरस्कार तो मिलना ही चाहिए। सरकारी कर्मचारियों को जबकि पेंशन से भले ही वंचित कर दिया गया हो, लेकिन सांसदों विधायकों को शानदार वेतन के अलावा पेंशन भी मिलनी चाहिए। लिहाजा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी विधायकों का पूरा ख्याल रखा और विधायकों की सैलरी, उनकी पेंशन और सुविधाएं बढ़ा दीं। लोकतंत्र में मौज उन्हीं के लिए रिजर्व है।

विधानसभा और विधान परिषद सदस्यों और मंत्रियों के वेतन और भत्ते बढ़ा दिए गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद विधायकों को सीधे तौर पर हर माह 67750 रुपए और मंत्रियों को 77750 रुपए का फायदा होगा। इसके अलावा कुछ अन्य भत्ते भी रहेंगे। मानसून सत्र के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने उत्तर प्रदेश राज्य विधान मंडल सदस्य एवं मंत्री सुख-सुविधा विधि (संशोधन) विधेयक 2025 पेश किया, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

विधेयक रखते हुए संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि करीब नौ साल पहले अगस्त 2016 में वेतन एवं भत्ते बढ़े थे। सभी दलों की मांग पर कमेटी बनाई गई। कमेटी की संस्तुति के आधार पर बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी एक अप्रैल 2025 से प्रारंभ होकर प्रत्येक पांच वर्ष के बाद आयकर अधिनियम 1961 (अधिनियम संख्या 43 सन 1961) की धारा 48 के तहत उपबंधित लागत मुद्रास्फीति सूचक के आधार पर वृद्धि की जाएगी। इसके तहत मंत्रियों के वेतन 40 के स्थान पर 50 हजार कर दिया गया है, जबकि विधायकों का 25 की जगह 35 हजार रुपए प्रतिमाह किया गया है।

संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि विधान परिषद के पूर्व सदस्य को 6 वर्ष पूर्ण करने पर 2 हजार प्रतिमाह का अतिरिक्त पेंशन दी जाएगी। प्रथम वर्ष के पश्चात प्रतिवर्ष 2 हजार बढ़ते रहेंगे। अगर किसी का कार्यकाल 6 माह या उससे ज्यादा है तो उसे एक पूरा वर्ष माना जाएगा। वहीं पारिवारिक पेंशन जो अब तक 25 हजार रुपए थी, वह अब बढ़कर 30 हजार कर दी गई है। पूर्व विधायकों के लिए रेलवे कूपन प्रतिवर्ष 1 लाख रुपए का मिलता था। इसे बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपए कर दिया गया है। इसमें रेल और हवाई जहाज के लिए 50 हजार रुपए और निजी वाहन के पेट्रोल-डीजल के लिए एक लाख रुपए नगद ले सकते हैं। अगर बाद में ये बच जाते हैं तो ये भी परिवर्तनीय हैं। इससे सरकार पर कुल मिलाकर 105 करोड़ 63 लाख रुपए का वार्षिक बोझ आएगा।

धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर उभरेगा बरेली

दिसंबर 2026 तक विकसित होंगे मंदिर परिसर

बरेली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। बरेली शहर को पर्यटन के मानचित्र पर उभारने के लिए नाथ मंदिरों के सुंदरीकरण सहित कई अन्य परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। दिसंबर 2026 तक इनमें से ज्यादातर प्रोजेक्ट पूरे करने के साथ ही मंदिरों के परिसर को भी विकसित करने की तैयारी है। दावा है कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रवींद्र कुमार ने बताया कि नाथ संप्रदाय और भगवान शिव के अनुयायी अधिकतर देशों में हैं। उनका 12 ज्योतिर्लिंग के साथ प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आना-जाना लगा रहता है।

हालांकि, शहर के सात शिव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शहर को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर उभारने पर जोर दिया। बीडीए ने इसे आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री के गुरु महंत अवैद्यनाथ के नाम पर स्वागत

द्वार का निर्माण कराया। शिव के प्रतीकों के साथ और द्वार भी बन रहे हैं। लोक निर्माण विभाग ने करीब 50 करोड़ की लागत से कॉरिडोर की सड़कें बनाकर सातों नाथ मंदिरों तक आवागमन आसान किया है।

मंदिरों को सजाने-संवारने और धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए कार्ययोजना बनाने वाले वास्तुविद सुमित अग्रवाल ने कहा कि मंडल के तमाम लोग दूसरे राज्यों और विदेश में बस गए। इनके साथ सनातन को मानने वाले लोगों का आकर्षण नाथ नगरी के मंदिर विकसित होने ही बढ़ेगा। ग्रेटर बरेली में विकसित हो रहा रुद्रावनम और नाथ म्यूजियम परियोजना इसे विस्तार देगी।

आने वाले दिनों में शिव और उनसे जुड़े प्रतीकों की वजह से शहर को नई पहचान मिलेगी।

शहर के सात नाथ मंदिरों में तीन, अलखनाथ, मढ़ीनाथ और तपेश्वरनाथ मंदिर महाभारत काल के हैं। आवागमन की सुविधाएं न होने की वजह से अभी तक देश-विदेश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं न के बराबर आते हैं। अब यह संख्या बढ़ाने के लिए नाथ कॉरिडोर की की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। इसमें शिव मंदिर भी विकसित होंगे।

एक साल में काम पूरा कराने की तैयारी है। तुलसी मठ में बहुउद्देशीय भवन का निर्माण शुरू हो गया। सात नाथ मंदिर भी विकसित होंगे। धोपेश्वरनाथ, त्रिवटीनाथ, मढ़ीनाथ, तपेश्वरनाथ, पशुपतिनाथ, वनखंडीनाथ, अलखनाथ मंदिर के साथ तुलसी मठ का सुंदरीकरण होना है। इसमें अलखनाथ, पशुपतिनाथ, वनखंडीनाथ, त्रिवटीनाथ, तपेश्वरनाथ में सात दिनों के भीतर काम शुरू होगा। पर्यटन अधिकारी मनीष सिंह ने बताया कि 61.83 करोड़ की कार्ययोजना में मंदिर परिसर के साथ तुलसी मठ भी विकसित होगा। कांवड़ स्थल और फोकस वॉल के निर्माण पर पर्यटन विभाग ने अमल शुरू कराया है।

फोकस वॉल पर पहली डिजाइन में शिव परिवार की कांस्य कलाकृति के साथ ही दोनों ओर कलश, त्रिशूल, डमरू आदि उकेरे जाएंगे। फोकस वॉल की दूसरी डिजाइन में शिव का तांडव करता अक्स दिखेगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज, रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मानगर, डीडीपुरम, सौ फुटा तिराहा, एयरपोर्ट, स्टेडियम सहित शहर में 19 स्थानों पर फोकस वॉल को भित्ति चित्रों और नक्काशीदार शिल्प से सजाया जाएगा।

हाईकोर्ट का अहम फैसला : अब एक जमानतदार पर भी मिलेगी रिहाई

सभी जिला जजों को दिया गया निर्देश

प्रयागराज, 15 अगस्त (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में दो के बजाए एक जमानतदार के होने पर भी कैदी को जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि कई ऐसे मामले संज्ञान में आए हैं कि धनाभाव के चलते तमाम कैदी दो जमानदार की व्यवस्था न कर पाने के कारण लंबे समय तक जेल में बंद रहते हैं।

अब दो के बजाय एक जमानतदार से भी रिहाई मिलेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सामाजिक और आर्थिक स्थिति की वजह से दो जमानतदारों की व्यवस्था नहीं कर पाने पर कई वर्षों से जेल में बंद रहने के कई मामलों का संज्ञान लेकर यह फैसला दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर

की एकल पीठ ने गोरखपुर की बच्ची देवी की अर्जी पर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि मजिस्ट्रेट या संबंधित न्यायालय आरोपी की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को देखते हुए संतुष्टि पर अब दो के बजाय केवल एक ही जमानतदार पर जमानत स्वीकृत करें। साथ ही जमानत बॉन्ड राशि आरोपी की वित्तीय क्षमता के अनुसार तय की जाए।

हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि यदि कोई अभियुक्त सात दिनों के भीतर जमानती पेश नहीं कर पाता है तो जेल अधीक्षक को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को सूचित करना होगा। इसके बाद उसकी रिहाई के लिए एक वकील की व्यवस्था की जाएगी, ताकि वह बाहर आ सके। अगर किसी अभियुक्त पर कई राज्यों में कई मामले दर्ज हैं तो अदालत गिरीश गांधी बनाम भारत संघ के मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार उसे तुरंत रिहा करेगी।

हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया है कि वह मुख्य न्यायाधीश के समक्ष इस आदेश की एक प्रति रखें ताकि नए दिशानिर्देश जारी करने पर विचार किया जा सके। साथ ही कोर्ट ने रजिस्ट्रार (अनुपालन) को निर्देश दिया है कि इस आदेश की एक प्रति सभी जिला न्यायाधीशों, पुलिस महानिदेशक, अपर महानिदेशक (अभियोजन) और निदेशक, न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, लखनऊ को भेजी जाए। इन अधिकारियों को सुनिश्चित करना होगा कि यह निर्देश प्रभावी ढंग से लागू हो।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक और महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कोर्ट ने उन आरोपियों को सीधे न्यायिक हिरासत (जेल) में भेजने पर रोक लगा दी है जिन्हें पुलिस ने जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया था। साथ ही निर्देश दिया कि यदि आरोप पत्र गिरफ्तारी के बिना दायर किया गया है तो ट्रायल कोर्ट अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने के बजाय सीधे जमानत बॉन्ड पर रिहा कर सकता है। अभियुक्त को अलग से जमानत आवेदन दायर करने की आवश्यकता नहीं होगी।

गिरीश गांधी पर 13 अलग-अलग मुकदमे दर्ज थे। सभी में जमानत मिल गई लेकिन वह केवल दो जोड़ी जमानतदार ही ला पाया। बाकी मुकदमों के लिए 22 अन्य जमानतदार नहीं ला पाया और उसे जेल में ही रहना पड़ा। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 13 मुकदमों में दो जोड़ी जमानतदार पर ही रिहा करने का आदेश दिया। गोरखपुर के शांति नगर के बिछिया में याची की कृष्णा हार्डवेयर पेंट्स सेंटर नाम से दुकान है। अधिकृत कंपनी के अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान उनकी दुकान से नकली एशियन पेंट्स बरामद हुआ था। 2021 में उन पर धोखाधड़ी, कॉपीराइट अधिनियम सहित कई आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया। चार्जशीट का संज्ञान लेकर ट्रायल कोर्ट ने समन आदेश जारी किया था। याची ने समस्त कार्यवाही को रद्द करने की मांग कर हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट में उपस्थित होकर बेल बॉन्ड भरने का आदेश दिया। साथ ही कहा कि जब तक विशेष परिस्थितियां न हो हिरासत में न लिया जाए।

देवहा नदी में छोड़ा गया 51 हजार क्यूसेक पानी

पीलीभीत के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा

पीलीभीत , 15 अगस्त (एजेंसियां)। ड्यूनी डैम से देवहा नदी में बृहस्पतिवार रात 51 हजार क्यूसेक पानी पास किया गया। इससे पीलीभीत जिले में देवहा नदी उफना गई। शहर और उससे सटे इलाके बाढ़ की जद में आ गए हैं। शुक्रवार को निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भरने लगा। बाढ़ के खतरे से लोगों की बेचैनी बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। बाढ़ चौकियों को अलर्ट किया गया है। लोगों को सतर्क किया जा रहा है।

पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के बाद ड्यूनी डैम में पानी का दबाव बढ़ गया। बृहस्पतिवार को सुबह से ही डैम से देवहा नदी में पानी पास किया जाने लगा। रात तक 51 हजार क्यूसेक पानी पास होने से देवहा नदी में उफनाने लगी थी। फिलहाल नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी जा रही है।

लगातार बढ़ रहे देवहा नदी के जलस्तर के बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। तहसील सदर की टीम ने शहर और आसपास के निचले इलाकों में पहुंचकर लोगों को नदी के किनारे न जाने समेत जरूरी सामान को सुरक्षित करने के प्रति जागरूक किया।

ड्यूनी डैम से पानी छोड़े जाने के बाद शहर के बेनी चौधरी, फीलखाना इलाके बाढ़ की जद में आ गया है।

एपीएचएमईएल को बीएचईएल की तरह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनना चाहिए : उपमुख्यमंत्री

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड की सहायक कंपनी आंध्र प्रदेश हेवी मशीनरी एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड) को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली कंपनी बनने का लक्ष्य रखने की सलाह दी है।उपमुख्यमंत्री ने सिंगरेनी के सीएमडी बलराम के साथ विजयवाड़ा के पास इब्राहिमपट्टनम स्थित एपीएचएमईएल संयंत्र का दौरा किया और श्रमिकों से मुलाकात की।श्री विक्रमार्क ने कहा कि मशीनरी और मानव संसाधन के मामले में एपीएचएमईएल दुनिया की बेहतरीन इंजीनियरिंग कंपनियों के बराबर है। यह

नई मशीनों के लिए स्पेयर पार्ट्स बनाने और मौजूदा मशीनों की मरम्मत करने में सक्षम है।

उपमुख्यमंत्री ने घोषणा की कि कंपनी की संभावनाओं का अध्ययन करने और उस पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए जल्द ही एक सलाहकार (कंसल्टेंसी) नियुक्त किया जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर, तेलंगाना सरकार कंपनी के विकास के लिए आगे की रणनीति तय करेगी।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों के बेहतर प्रदर्शन से कंपनी को अधिक मुनाफा मिलेगा, स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और दोनों राज्यों की प्रगति सुनिश्चित होगी।

श्री विक्रमार्क ने एपीएचएमईएल से आग्रह किया कि वह केवल सिंगरेनी के लिए मशीनरी बनाने और मरम्मत तक ही सीमित न रहे। उन्होंने कहा कि कंपनी को भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (इक्एङ) की तरह पूरे देश से ऑर्डर प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए।

इन्नाणी परिवार ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

मदनूर, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, इन्नाणी परिवार ने रामसुख बालमुकुंद तेलंगाना आवासीय विद्यालय और कॉलेज के मेधावी छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह हर साल आयोजित किया जाता है।

इन पुरस्कारों में दसवीं कक्षा के लिए: प्रथम स्थान: 5,000/-, द्वितीय स्थान: 3,000/-, तृतीय स्थान: 2,000/- और गणित में सर्वाधिक अंक: 2,000/- शामिल हैं।

12वीं कक्षा (सेठ रामप्रसाद इन्नाणी जूनियर कॉलेज) के लिए: प्रथम स्थान: 5,000/-, द्वितीय स्थान: 3,000/-, तृतीय स्थान: 2,000 शामिल हैं।

इस अवसर पर इन्नाणी परिवार के सदस्य श्रीकुमार इन्नाणी, केशव इन्नाणी, अमरेश इन्नाणी और उनकी पत्नी के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षक भी उपस्थित थे। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करना है।

राठौड़ श्रावण को 79वें स्वतंत्रता दिवस पर सर्वश्रेष्ठ प्राध्यापक सम्मान

आदिलाबाद / आसिफाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुड़ीहतनूर तहसील केंद्र स्थित शासकीय महाविद्यालय के वरिष्ठ हिंदी प्राध्यापक राठौड़ श्रावण को 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ प्राध्यापक (प्रशंसा पुरस्कार) से सम्मानित किया गया है। इस समारोह में तेलंगाना राज्य सरकार के सलाहकार मो. शब्बीर अली, आदिलाबाद जिला कलेक्टर राजर्शी, जिला एससी अधिकारी अखिल महाजन और जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी जादव गणेश कुमार ने उन्हें पुरस्कार प्रदान किया।

इस अवसर पर राठौड़ श्रावण ने कहा कि उन्हें अपने सेवाओं के लिए सम्मानित किए जाने पर अत्यंत खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उनकी जिम्मेदारी और बढ़ा गया है और वे कॉलेज की प्रगति के लिए और अधिक मेहनत करेंगे। इस पुरस्कार से सभी कॉलेज प्राध्यापक गण बहुत खुश हैं।यह अवसर कॉलेज के समस्त स्टाफ के लिए गर्व का पल रहा।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एस. निरंजन ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया

निज़ामाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में शुक्रवार को 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सवी आयोजन बड़ी धूमधाम के साथ किया गया। इस समारोह के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएँ की थीं। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एस. निरंजन ने करकमलों से राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद पुलिस की सलामी ली गई।

अध्यक्ष ने ग्राम प्रधानों और अधिकारियों से मुलाकात की, उन्हें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं, और जिले की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों और उपलब्धियों को दर्शाने वाले स्टालों का निरीक्षण किया। इनमें कृषि,

बागवानी, जिला ग्रामीण विकास संगठन, डेयरी, पशुपालन, वन, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, मिशन भगीरथ, सिंचाई और मत्स्य पालन विभागों के फोटो प्रदर्शनी स्टॉल शामिल थे। उत्कृष्ट सेवाएँ देने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र, पुलिस अधिकारियों को पदक और स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिवारों को सम्मानित किया गया। साथ ही, सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को वित्तीय सहायता भी वितरित की गई।

मुख्य अतिथि बीसी आयोग के अध्यक्ष एस. निरंजन और जिला अधिकारियों ने बच्चों को बधाई दी। इस कार्यक्रम में शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण, आर भूपति रेड्डी, पैदी राकेश रेड्डी, कलेक्टर टी विनय कृष्ण रेड्डी, पुलिस आयुक्त पी साई चैतन्य, राज्य सहकारी समिति संघ लिमिटेड के अध्यक्ष मानाला मोहन रेड्डी, राज्य कृषि आयोग के सदस्य गडगु गंगाधर, अतिरिक्त कलेक्टर अंकित, किरण कुमार, प्रशिक्षु कलेक्टर कैरोलिन चिंगटियन मावी, नगर निगम आयुक्त दिलीप कुमार, निजामाबाद आरडीओ राजेंद्र कुमार सहित अनेक विभागीय अधिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, स्थानीय लोग और छात्र बड़ी संख्या में इस समारोह में भाग लिए।

मछली के बच्चों को छोड़ने में देरी से मछुआरे परेशान, आजीविका पर संकट

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में लगातार दूसरे साल मछली के बच्चों (फिंगरलिंग्स) को छोड़ने में हो रही देरी से हजारों मछुआरों की आजीविका प्रभावित हो रही है। यह देरी मछुआरों के लिए एक बड़ा आर्थिक संकट पैदा कर रही है।जलाशयों की संख्या: 363 (श्रीपदा येल्लमपल्ली, सुंडिल्ला, अन्नाराम, रल्लावगु, और गोल्लावगु परियोजनाएं सहित), मछुआरों की संख्या: 7,500 सदस्य (128 मछुआरा सहकारी

समितियों के), सामान्य प्रक्रिया: पारंपरिक रूप से जून-जुलाई में टेंडर बुलाए जाते हैं और अगस्त-सितंबर तक लगभग 2 करोड़ फिंगरलिंग्स जलाशयों में छोड़े जाते हैं।पिछले साल यह प्रक्रिया नवंबर में शुरू हुई थी, जिससे मछुआरों को भारी नुकसान हुआ। इस साल भी अब तक केवल 13% फिंगरलिंग्स ही छोड़े जा सके हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि पिछले साल की आपूर्ति के भुगतान में देरी के चलते आपूर्तिकर्ताओं ने इस साल स्टॉक देने से इनकार कर दिया है।मछुआरों का कहना है कि एक महीने की देरी भी मछली के विकास में बाधा डालती है और इस तरह की लगातार देरी उनकी आजीविका को पूरी तरह से खत्म कर सकती है।

कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में जलाशयों की संख्या: 254 (चार प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं सहित) है। मछुआरों की संख्या: लगभग 5,000 परिवार है और 2022 तक हर साल 1.50 करोड़ फिंगरलिंग्स छोड़े जाते थे, जिससे हर मछुआरे को सालाना 25,000 से 50,000 तक की कमाई होती थी।इस जिले में भी पिछले एक महीने से यह प्रक्रिया रुकी हुई है। जिला मत्स्य अधिकारी आर. अविनाश ने बताया कि मछली पालन के लिए कार्य योजना तैयार कर ली गई है और सरकार को प्रस्ताव भेज दिए गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि एक-दो दिन में दिशानिर्देश जारी कर दिए जाएंगे और फिंगरलिंग्स को छोड़ने में देरी से बचने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

रामदेवरा मंदिर में आस्था के नाम पर लूट का आरोप, भक्तों से वसूली जा रही है एंट्री फीस !

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान में स्थित बाबा रामदेव के मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से एंट्री फीस के नाम पर कथित तौर पर अवैध वसूली की जा रही है। एक वायरल वीडियो के अनुसार, भक्तों की धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाकर स्वयंभू ठेकेदार करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं।यह आरोप लगाया गया है कि बिना किसी सरकारी आदेश या कानूनी अधिकार के, ये ठेकेदार भक्तों को बाकायदा रसीदें देकर मनमाना शुल्क वसूल रहे हैं।

श्रद्धालुओं का कहना है कि यह उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ है, क्योंकि बाबा के दर्शन के लिए उन्हें पहले अपनी जेब खाली करनी पड़ रही है। इस मामले पर स्थानीय प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। यह पूछा जा रहा है कि आखिर कब तक इस तरह की अवैध वसूली जारी रहेगी और इन तथाकथित ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?

यह मुद्दा केवल पैसों का नहीं, बल्कि करोड़ों भक्तों की आस्था और विश्वास से जुड़ा है। यदि इस मामले पर जल्द ही कार्रवाई नहीं की गई, तो यह धार्मिक स्थल आस्था की जगह विवाद का केंद्र बन सकता है।

स्वतंत्रता दिवस पर 79 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ छात्र रैली

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज की अद्भुत उपलब्धि देखने को मिली।

नेनेला मंडल केंद्र में छात्रों ने 79 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ रैली निकाली। स्थानीय निजी स्कूल लोटस के छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय नारे लगाते हुए इस रैली में भाग लिया।

रैली में कई स्कूलों के बच्चों ने स्वतंत्रता सेनानियों की वेशभूषा में भाग लेकर लोगों का मनोहर मनोरंजन किया। मंडल के विभिन्न गाँवों में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराए गए। अधिकारियों ने सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण किया और सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

वक्ताओं ने कहा कि हमें स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले महापुरुषों को याद करना चाहिए और उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए। इस कार्यक्रम ने स्वतंत्रता दिवस का उत्साह और देशभक्ति की भावना को और भी मजबूत किया।

मंचेरियाल में किसान ने पुलिस पर रिश्वत न देने पर हमला करने का आरोप लगाया

मंचेरियाल, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के वेमनपल्ली मंडल के सुम्पुतम गाँव के एक किसान अलगाम किश्तैया ने नीलवई पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। किसान का दावा है कि रिश्वत देने से इनकार करने पर सब-इंस्पेक्टर सुरेश और दो कांस्टेबलों ने उसके साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया।इस मामले में, किश्तैया ने रामागुंडम के पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा को एक लिखित शिकायत दी है, जिसमें उन्होंने तीनों पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।किसान किश्तैया के अनुसार, 10 अगस्त को उनके ससुर ने उनके और उनकी पत्नी के बीच घरेलू विवाद को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद, 11 अगस्त को एसआई सुरेश ने उन्हें और उनकी पत्नी को थाने बुलाया। किश्तैया का आरोप है कि वहां एसआई और कांस्टेबलों ने उन्हें इस मामले को सुलझाने के लिए 10,000 की रिश्वत देने के लिए कहा।जब उन्होंने पैसे देने में असमर्थता जताई, तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और उन्हें पीटा। किश्तैया ने कहा, मैंने पैसे देने से मना किया तो दरोगा नाराज हो गया और कहा कि पुलिस थाने पति-पत्नी के झगड़े सुलझाने के लिए नहीं हैं।किश्तैया का दावा है कि यह घटना गाँव के कुछ बुजुर्गों की मौजूदगी में थाने में हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस मामले को मीडिया के सामने लाने के कारण अब उन्हें पुलिस से जान का खतरा है। उन्होंने पुलिस आयुक्त से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

मंत्री कोंडा सुरेखा ने यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में की पूजा-अर्चना

यदागिरिगुट्टा, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना की धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने सरकारी सचेतक बिड़ला इलैया और एमएलसी चिंतापंडु नवीन के साथ यदागिरिगुट्टा के श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना की।मंदिर पहुंचने पर, पुजारियों ने पूर्ण कुंभ के साथ उनका स्वागत किया। मंत्री ने गर्भगृह में स्वामी के दर्शन किए और विशेष पूजा में भाग लिया। पूजा के बाद, मंदिर के पुजारियों ने उन्हें वैदिक आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर मंदिर के कार्यकारी अधिकारी वेंकट राव ने उन्हें प्रसाद भेंट किया, जबकि मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ने स्वामी की तस्वीर भेंट की।बाद में, मंत्री कोंडा सुरेखा ने विधायक और एमएलसी के साथ मंदिर के मुखमंडपम में 'यदागिरि आध्यात्मिक मासिक पत्रिका' का विमोचन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मंदिर कैंप कार्यालय में ई-ऑफिस का भी उद्घाटन किया।

अलेरु में स्वतंत्रता दिवस का भव्य समारोह आयोजित

यदादद्रि भुवनगिरि, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यादाद्रि भुवनगिरि जिले के अलेरु निर्वाचन क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। मंडल के सरकारी कार्यालयों में तिरंगा झंडा फहराकर इस स्वतंत्रता दिवस को विशेष रूप से मनाया गया।

तेलंगाना के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के सामने के अतिथि गृह में, मंदिर के ईओ आईएएस वेंकट राव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। इस कार्यक्रम में मंदिर के कर्मचारी और अध्यक्ष नरसिम्हा मूर्ति ने भी भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, यादागिरिगुट्टा नगर पालिका कार्यालय में नगरपालिका अध्यक्ष ने, और मंडल प्रजा परिषद कार्यालय में एमपीपी ने भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसी तरह, मंडल के विभिन्न सरकारी कार्यालयों और पार्टी कार्यालयों में अधिकारियों और पार्टी अध्यक्षों ने तिरंगा झंडा फहराया और ध्वज सलामी दी। इस समारोह ने देशभक्ति की भावना को जागरूक किया और स्वतंत्रता के महत्व का स्मरण कराया।

स्वतंत्रता दिवस का गौरवशाली समारोह

चेन्नूर , 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

79वें स्वतंत्रता दिवस का समारोह चेन्नूर में उत्साह और गर्व के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न जाति संघों, सरकारी और निजी कार्यालयों, राजनीति पार्टी कार्यालयों, पुलिस थाना, सरकारी स्कूल, कॉलेज, प्रेस क्लब और न्यायालय में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।चिन्ना मुंशी पब्लिक स्कूल के छात्रों ने इस विशेष अवसर पर देशभक्ति से भरपूर कार्यक्रम आयोजित किए। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन स्कूल के सचिव जलाल सर, प्रिंसिपल त्रिषा मेडम और विद्यालय के शिक्षकों की देखरेख में किया गया। इस समारोह ने देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया और सभी उपस्थित लोगों में स्वतंत्रता के महत्व का एहसास जागरूकता बढ़ाई।

स्वतंत्रता दिवस पर मेडिकवर हॉस्पिटल्स ने लॉन्च किया वंदे मातरम स्वास्थ्य जांच पैकेज

निज़ामाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, येलम्मागुट्टा स्थित मेडिकवर हॉस्पिटल्स ने 'वंदे मातरम स्वास्थ्य जांच पैकेज' नामक एक विशेष योजना की घोषणा की है। यह पैकेज आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को कम लागत पर व्यापक स्वास्थ्य जांच कराने का अवसर प्रदान करेगा।

यह पहल उन जरूरतमंद लोगों के लिए है जो महंगी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते हैं। इस पैकेज के तहत, लोग एक महीने तक अपने स्वास्थ्य की कई महत्वपूर्ण जांचें और विशेषज्ञों से परामर्श ले सकते हैं।

आसिफाबाद एएसपी ने गोलकुंडा किले में स्वतंत्रता दिवस परेड का नेतृत्व किया

हैदराबाद / आसिफाबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) । आसिफाबाद के सहायक पुलिस अधीक्षक एस. चित्तरंजन आईपीएस ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक गोलकुंडा किले के परिसर में आयोजित परेड का नेतृत्व किया। तेलंगाना कैडर के 2022 बैच के अधिकारी श्री चित्तरंजन ने इसके अलावा 17 सितंबर, 2024 को तेलंगाना लोक प्रशासन दिवस के दौरान भी परेड का नेतृत्व किया, और उनके नेतृत्व एवं अभ्यास कौशल की काफी

सराहना की गई। वर्तमान में आसिफाबाद के एएसपी के रूप में कार्यरत, वे अपने जन-केंद्रित पुलिसिंग दृष्टिकोण और कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के उप-मंडल के आदिवासी युवाओं के साथ घनिष्ठ संबंध के लिए जाने जाते हैं।

संत श्री आशारामजी बापू आश्रम द्वारा हैदराबाद में देश भक्ति यात्रा का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। संत श्री आशारामजी बापू आश्रम और युवा सेवा संघ की शापुर शाखा ने मिलकर हैदराबाद में 'देश भक्ति यात्रा' का भव्य आयोजन किया। यह यात्रा आईडीपीएल, चिंतल से शुरू हुई और शापुर नगर, उषामुलपुड़ी रोड और श्रीनगर रोड से होते हुए जगदगिरीगुट्टा में समाप्त हुई। इस यात्रा में हैदराबाद के सभी साधक परिवारों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।यह यात्रा संत श्री आशारामजी बापू के इस संकल्प को दर्शाती है कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाया जाए। बापू अपने अनुयायियों को राष्ट्रहित में समर्पित होकर चरित्रवान और सक्षम नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। इसी

भावना के साथ यात्रा में शामिल सभी साधक भारत माता की जय के नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे, जिससे आम जनता में भी देशभक्ति का जोश भर गया। पूरे रास्ते पर गूंजते राष्ट्रीय गीतों से वातावरण पूरी तरह देशभक्ति से सराबोर हो गया।यात्रा के समापन पर, सभी साधकों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का उद्घोष किया। इसके बाद, देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों और अमर सैनिकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनकी सद्गति के लिए प्रार्थना करने के बाद, सभी ने मिलकर भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

बजरंग सेना तेलंगाना की हर घर तिरंगा बाइक रैली सफलतापूर्वक सम्पन्न

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बजरंग सेना तेलंगाना ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना का जश्न मनाने के लिए आज हर घर तिरंगा बाइक रैली का सफल आयोजन किया।यह रैली सुबह 10:30 बजे गवलीगुडा स्थित राम मंदिर से शुरू हुई और आबिड्स जीपीओ पर समाप्त हुई। रैली गवलीगुडा चमन, सिद्दीअम्बर बाजार, बेगम बाजार, अजीज प्लाजा, मोअज्जम जाही मार्केट, आबिड्स और चिराग अली लेन से गुजरी।

रैली में सैकड़ों देशभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए और अनुशासन के साथ बाइक चलाकर एकता, गौरव और राष्ट्र के प्रति सम्मान का संदेश फैलाया। एक साउंड व्हीकल पर देशभक्ति के गीत बज रहे थे, जिससे माहौल में और भी जोश भर गया।बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने रैली को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में सहयोग के लिए सभी प्रतिभागियों, हैदराबाद सिटी पुलिस और ट्रैफिक विभाग का धन्यवाद किया।

उन्होंने जनता के भारी समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त किया, जिसने इस रैली को एक बड़ी सफलता बना दिया।रैली का समापन जय हिंद और वंदे मातरम के जोरदार नारों के साथ हुआ, जिसने इस स्वतंत्रता दिवस समारोह पर एक अविस्मरणीय छाप छोड़ी।

क्षत्रिय राजपूत सभा (तेलंगाना) ने कुतबीगुडा में मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्षत्रिय राजपूत सभा (तेलंगाना) ने कुतबी गुडा स्थित अपने कार्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस तिरंगा फहराकर मनाया। इस अवसर पर एक सभा का भी आयोजन किया गया।

श्री ठाकुर प्रेम सिंह (पूर्व अध्यक्ष और ट्रस्टी) ने स्वतंत्रता दिवस के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

ठाकुर जयवीर सिंह (अध्यक्ष) ने पिछले वर्ष किए गए कार्यों के बारे में बताया।

ठाकुर संतोष सिंह (महासचिव) ने बीते वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर राजेंद्र नगर बस्ती कमेटी के सचिव के रूप में ठाकुर विपिन राज सिंह को और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में ठाकुर रंधीर सिंह को चुना गया। इसके अलावा, महिला विभाग का भी पुनर्गठन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में ट्रस्टी मनोहर सिंह, अतिथि ठाकुर साकेत सिंह, ठाकुर महेंद्र सिंह, और ठाकुर अर्जुन सिंह सहित कई सदस्य मौजूद थे। उपस्थित सदस्यों में कोषाध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष ठाकुर एस. नरेंद्र सिंह, सचिव टी. अरुण सिंह, टी. भवानी सिंह, टी. मुरली मोहन सिंह, और ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी टी. सुनीता भाई और टी. नर्सिंग भान सिंह शामिल थे। नगर की सभी बस्ती कमेटियों के सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अत्तापुर में नामदेव छिपूलु समाज समिति ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पांडुरंगा नगर, अत्तापुर स्थित नामदेव छिपूलु समाज समिति के कार्यालय में आज, 15 अगस्त को, स्वतंत्रता दिवस का उत्सव बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया।इस कार्यक्रम में बीआरएस नेता वनम श्रीराम रेड्डी और विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पांडे सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मौके पर काशीराम शर्मा, राजेश रोहिल्ला, महावीर पूर्वा, छगनलाल वर्मा, विमल कुमार रोहितास, पंकज जी, अपूर्वा, दिलीप तारवांन, प्रमोद जी, अजय वर्मा, विकास छापरवाल, कृष्ण मुरारी, पंकज नागर, मनोज कुमार, संतोष कुमार, हनुमान रोहिल्ला, अशोक कुमार, सुरेश पिपलिया, रवि, सतीश, कृष्णा और यशोदा ने मिलकर झंडा वंदन किया और इस राष्ट्रीय पर्व को मनाया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सुल्तान बाज़ार में स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ध्वजारोहण और उन वीरों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।
इस अवसर पर उनके साथ भाजपा नेता गोविंद राठी, पूर्व कॉरपोरेटर रामचंद्र राजू और दिलीप गनाते भी मौजूद थे। सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और तिरंगे को सलामी दी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम मोदी का ...

पाकिस्तान को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है और रोज नये नये खुलासे हो रहे हैं।श्री मोदी ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस संबोधन में शुक्रवार को कहा आपरेशन सिंदूर 140 करोड़ देशवासियों की आक्रोश की अभिव्यक्ति है।प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरे देश की सेना ने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है जिसको वे लंबे समय तक नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान में सैंकड़ों किलोमीटर घुसकर कार्रवाई की। आतंकवादियों के ठिकानों को मटियामेट कर दिया गया।उन्होंने कहा, मुझे गर्व है कि आज मुझे लाल किले की प्राचीर से आपरेशन सिंदूर के वीर जवानों को सैलूट करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है।प्रधानमंत्री ने कहा 22 अप्रैल को पहलगाम में सीमा पार से आतंकवादियों ने आकर जिस प्रकार का कत्लेआम किया, धर्म पूछकर लोगों को मारा, पत्नी के सामने उसके पति को गोलियां मार दी गईं, बच्चों के सामने उनके पिता मौत के घाट उतार दिया गया उससे पूरा हिन्दुस्तान आक्रोश से भरा हुआ था। पूरा विश्व भी इस प्रकार के नरसंहार से चौंक गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपातकाल को संविधान का गला घोंटने और उसकी पीठ में छुरा घोंपने वाला पाप बताते हुए शुक्रवार को लाल किले की प्राचीर से कहा कि देश की किसी भी पीढ़ी को ऐसा करने वाले पापियों को नहीं भूलना चाहिए।श्री मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 50 साल पहले, भारत के संविधान का गला घोंटा गया था। पीठ में छुरा घोंपा गया। देश को जेलखाना बना दिया गया।आपातकाल लगा दिया गया था। देश की किसी भी पीढ़ी को संविधान की हत्या के इस पाप को नहीं भूलना चाहिए।प्रधानमंत्री ने ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में कहा, उन्हें (देश के लोगों को) संविधान की हत्या करने वाले पापियों को नहीं भूलना चाहिए। हमें भारत के संविधान के प्रति अपने समर्पण को और मजबूत करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। यही हमारी प्रेरणा है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पाकिस्तान के साथ भारत के संबंधों पर देश का रुख एक बार फिर स्पष्ट किया और कहा कि 'खून और पानी' साथ-साथ नहीं बहेंगे।श्री मोदी पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का नाम लिये बिना सिंधु नदी जल समझौता और जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों पर कहा, भारत ने ठान लिया है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बेहेंगे।श्री मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' समेत अन्य कड़े कदमों की चर्चा कर भारतीय सेना के सामर्थ्य को नमन किया।उन्होंने भारत की बढ़ती सैन्य ताकत का जिक्र करते हुए कहा, भारत अब परमाणु ब्लैकमेल बर्दाश्त नहीं करेगा। अगर दुश्मन ने कोई और दुस्साहस करने की हिम्मत की तो भारतीय सशस्त्र बल उसे मुंहतोड़ जवाब देंगे। सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के अगले चरण के सुधारों के तहत कर स्लैबों की संख्या चार से घटाकर दो करेगी ओर आम लोगों के इस्तेमाल में आने वाली चीजें सस्ती होंगी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लाल किले की प्राचीर से 79वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नयी पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की घोषणा की। उन्होंने इसे दिवाली का तोहफा बताते हुए कहा कि इससे आम लोगों के लिए चीजें सस्ती होंगी और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) को फायदा पहुँचेगा।वित्त मंत्रालय ने इन सुधारों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यतः तीन तरह के सुधार प्रस्तावित हैं। जीएसटी में संरचनात्मक, दरों से संबंधित और जीवनयापन की आसानी से जुड़े सुधार होंगे।दरों से संबंधित सुधारों के तहत स्लैबों की संख्या मौजूदा चार से घटाकर दो की जायेगी। इसके अलावा कुछ वस्तुओं पर विशेष दरें लगाई जायेंगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में जीएसटी के तहत कर के चार स्लैब पाँच प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत हैं। इसके अलावा आम लोगों के इस्तेमाल में आने वाली चीजें और आकांक्षी वस्तुओं पर कर की दरें कम की जायेंगी।संरचनात्मक सुधारों के तहत इनपुट टैक्स और आउटपुट टैक्स को सरेखित किया जायेगा जिससे इनपुट टैक्स का बकाया ज्यादा नहीं होगा। वर्गीकरण के मुद्दों का समाधान किया जायेगा ताकि विवादों में कमी आये, अनुपालन प्रक्रिया आसान हो और समता बढ़े। क्षतिपूर्ति उपकर को समाप्त किया जायेगा।जीवनयापन की आसानी के तहत पंजीकरण, रिटर्न और रिफंड प्रक्रियाओं को आसान बनाया जायेगा। पंजीकरण को समयबद्ध किया जायेगा और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल बढ़ाया जायेगा। इससे विशेष रूप से छोटे कारोबारियों को स्टार्टअप को ज्यादा फायदा होगा। पहले से भरे हुये रिटर्न को लागू किया जायेगा ताकि इंसानी दखल कम हो और गलतियों की संभावना कम हो। रिफंड की प्रोसेसिंग स्वचालित की जायेगी जिससे रिफंड में लगने वाला समय कम होगा।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 01 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू किया था। पिछले आठ साल में इसमें कई तरह के बदलाव किये गये हैं। इससे नये सिरे से संरचनात्मक और अन्य सुधारों की आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

हाईकोर्ट से...

सुप्रीम कोर्ट सिर्फ नामों की सिफारिश करता है और हाईकोर्ट कॉलेजियम से उन पर विचार करने का अनुरोध करता है। उन्हें हुक्म नहीं दे सकता। सीजेआई ने कहा, 'सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय से उच्च न्यायालय नहीं है; सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय दोनों ही संवैधानिक न्यायालय हैं। वे न तो एक-दूसरे से निम्न हैं और न ही उच्च। हम सिर्फ उच्च न्यायालय के कॉलेजियम को नामों की सिफ़ारिश करते हैं और उनसे उन पर विचार करने का अनुरोध करते हैं, और यदि वे उन्हें मंज़ूरी देते हैं, तो ही इसे आगे बढ़ाया जाता है। सीजेआई संजीव खन्ना ने अपने कार्यकाल के दौरान कैंडिडेट्स के साथ बातचीत की प्रक्रिया शुरू की थी, जो बहुत मददगार रही है।

वोट चोरी के...

हालांकि हम धार्मिक आधार पर दो राष्ट्रों में विभाजित हुए, और भारत में हिंदू बहुमत होने के बावजूद, हमारी संस्कृति सभी धर्मों के लोगों का सम्मान करती है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय संस्कृति में ही निहित है, हमें यह सिद्धांत सिखाने के लिए बाहरी लोगों या यूरोपीय लोगों की आवश्यकता नहीं है।पवन कल्याण ने सुशासन और विकास के लिए अपनी दृष्टि भी बताई। उन्होंने उम्मीद जताई कि एनडीए गठबंधन आंध्र प्रदेश में स्थिरता और वादे किए गए सुपर सिक्स पहलों को लागू करने के लिए 15 साल तक शासन करेगा।

उन्होंने आर्थिक विकास के लिए कानून और व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, निवेश के प्रवाह के लिए मजबूत कानून और व्यवस्था की आवश्यकता होती है। इसके बिना, निवेशक दूर रहते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल का उदाहरण दिया, जहां मजबूत कानून और व्यवस्था स्थापित होने के बाद राज्य ने 15 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया।कल्याण ने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर सार्वजनिक सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, मेरी इच्छा है कि हमारी गठबंधन सरकार लोगों को स्थिर शासन प्रदान करने के लिए डेढ़ दशक तक जारी रहे। मुझे केवल व्यक्तिगत आनंद के लिए पद पर बने रहने की कोई इच्छा नहीं है।

हर नागरिक अपनी ...

क्योंकि आतंकवाद को देश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त करने को तैयार नहीं है। ललन सिंह के इस बयान से साफ है कि केंद्र सरकार नागरिकता और मताधिकार को जोड़ने के मुद्दे पर सख्त रुख अपनाए हुए है, जबकि विपक्ष इसे लेकर जनसमर्थन जुटाने में लगा हुआ है। इसके अलावा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने देशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए देश की सुरक्षा में लगे जवानों के साहस और बलिदान को सलाम किया। उन्होंने कहा कि आज देश की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में लड़कर हमारे देश को सुरक्षित रखा है और इसके लिए हम सेना को भी बधाई देते हैं।पीएम मोदी द्वारा जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में लागू जीएसटी ने देश के हर वर्ग को जोड़ा है। आज गरीब आदमी भी कहता है कि हम देश चला रहे हैं। इस व्यवस्था में हम समय-समय पर सुधार करते रहेंगे।

स्वतंत्रता को कायम ...

एक नई दुनिया का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में पर्यावरणीय मुद्दे और झगड़े हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, भारत का कर्तव्य है कि वह दूसरों का मार्गदर्शन करे, समस्याओं का समाधान करे और 'विश्व गुरु' के रूप में दुनिया को शांतिपूर्ण और समृद्ध बनाए।

बता दें कि इससे पहले आज सुबह लाल किले से राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तारीफ की है। उन्होंने ठडड की स्थापना के 100 साल पूरा होने का उल्लेख किया और कहा कि इस संगठन की राष्ट्रसेवा की यात्रा पर देश गर्व करता है। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है और यह प्रेरणा देता रहेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, आज से 100 साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 100 साल की राष्ट्र की सेवा एक बहुत ही गौरवपूर्ण कार्य है। व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण का लक्ष्य लेकर मां भारती के कल्याण के लिए लाखों स्वयंसेवकों ने अपना जीवन समर्पित किया।यह एक प्रकार से दुनिया का सबसे बड़ा एनजीओ है। 100 साल का समर्पण का इतिहास है। मोदी ने कहा, आज लाल किले की प्राचीर से 100 साल की इस राष्ट्रसेवा की यात्रा में योगदान करने वाले सभी स्वयंसेवकों को आदरपूर्वक स्मरण करता हूं। उन्होंने कहा कि आरएसएस की 100 साल की भव्य, समर्पित यात्रा पर देश गर्व करता है।

मिसाइलें-रडार-एआई ...

बीच तुरंत समन्वय बनाएगा, ताकि हवाई खतरों पर तेजी से कार्रवाई हो सके। यह सुरक्षा कवच इजरायल के आयरन डोम की तरह सभी हवाई खतरों से बचाएगा।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने इसे बनाया है। यह देशभर में फैले कई एयर डिफेंस सेंटरों को जोड़ता है और हाई-स्पीड एएफएनईटी फाइबर नेटवर्क पर चलता है। इससे सेंसर, फाइटर जेट, मिसाइल सिस्टम (जैसे आकाश, बराक-8, एमआर सैम, एस -400) और फैसले लेने वालों के बीच तुरंत डेटा शेयर होता है।इस नेटवर्क से सेना दुश्मन के विमान, ड्रोन और मिसाइलों को जल्दी पहचानकर सही हथियार से जवाब दे सकती है। खास बात यह है कि इसमें -ख तकनीक भी जोड़ी गई है, जो खतरों को ट्रैक करने और हथियार चुनने में मदद करती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसी सिस्टम ने पाकिस्तानी ड्रोन और मिसाइलों को तुरंत नष्ट करके अपनी ताकत साबित की।सुदर्शन चक्र मिशन के तहत बनाई जाने वाली इंटीग्रेटेड रॉकेट फोर्स भारत के आईएसीसीएस एयर डिफेंस नेटवर्क को और ताकत देगी। यह फोर्स दुश्मनों पर जवाबी हमले करने के लिए लंबी दूरी तक मार करने वाली सटीक मिसाइलें, जैसे हाइपरसोनिक और बैलिस्टिक मिसाइलें, शामिल कर सकती है।इस मिशन का टारगेट एक ऐसा नेटवर्क बनाना है, जिसमें आईएसीसीएस का रियल-टाइम निगरानी सिस्टम और रॉकेट फोर्स की अटैक क्षमता एक साथ काम करें। इससे खतरे जल्दी पकड़े जाएंगे, कई परतों वाली एयर डिफेंस तैनात होगी और सटीक जवाबी वार किया जा सकेगा। यह भारत को हवाई और मिसाइल हमलों से मजबूत सुरक्षा प्रदान करेगा।साल 2035 तक यह सिस्टम भारत के अहम ढांचों और कई अहम इलाकों की रक्षा करेगा। पीएम मोदी के मुताबिक, यह सुरक्षा कवच लगातार फैलता जाएगा, ताकि हर नागरिक सुरक्षित महसूस करे। सुदर्शन चक्र मिशन भारत की फ्यूचर की हवाई रक्षा रणनीति का अहम बुनियाद है।

अब तक 60 ...

30 मीटर लंबा पुल बाढ़ में बह गए। बस स्टैंड पर खड़ी कई गाड़ियां और एक सुरक्षा चौकी भी बह गई।

यह घटना माचेल माता यात्रा के बेस कैंप चिसोटी में हुई, जहां बड़ी संख्या में तीर्थयात्री मौजूद थे। यात्रा को शुक्रवार को दूसरे दिन भी स्थगित रखा गया।

जम्मू और कश्मीर स्वास्थ्य विभाग ने त्रासदी के मद्देनजर बेहतर चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। पीजीआई-चंडीगढ़ से विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भेजी जा रही है। जिला अस्पताल किश्तवाड़ और जीएमसी डोडा में भी अतिरिक्त डॉक्टरों की तैनाती की गई है। जीएमसी जम्मू में 50 आपदा बेड, 20 वेंटिलेटर बेड और 5 ऑपरेशन थिएटर पूरी तरह से तैयार रखे गए हैं।अधिकारियों ने बताया कि बारिश के बावजूद शुक्रवार सुबह से बचाव और राहत अभियान फिर से शुरू कर दिया गया है। घटनास्थल पर जेसीबी मशीनों को भी लगाया गया है ताकि मलबे को हटाया जा सके और दबे हुए लोगों को बाहर निकाला जा सके।

हुमायूं मकबरे के परिसर में दर्दनाक हादसा, पांच लोगों की मौत, रेस्क्यू जारी

नई दिल्ली, 15 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में स्थित हुमायूं का मकबरा में शुक्रवार (15 अगस्त) को हादसा हो गया । इसमें पांच लोगों की मौत हो गई।मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं । दरअसल, मकबरे के परिसर में पीछे की तरफ फतेह शाह दरगाह का एक हिस्सा गिर गया। बारिश की वजह से कुछ लोग रुके हुए थे और हादसे में दब गए। 10-12 लोगों को मलबे से निकाला गया। घायलों को एम्स और एलएनजेपी अस्पताल में भर्ती किया गया।

बता दें कि दिल्ली में हुमायूं का मकबरा मशहूर है। छुट्टियों के दिनों में यहां लोग घूमने भी आते हैं। ऐसे में यहां पर भीड़ होती है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इस मकबरे का देखरेख करती है।

हुमायूं का मकबरा, जिसे मकबरा-ए-हुमायूं भी कहते हैं, मुगल सम्राट हुमायूं की याद में बनाया गया एक भव्य स्मारक है। इसे उनकी पहली पत्नी बेगा बेगम, जिन्हें हाजी बेगम के नाम से भी जाना जाता है, ने 1569-70 में बनवाया था। इस शानदार मकबरे का डिज़ाइन फ़ारसी वास्तुकार मिर्क मिर्ज़ा गियास और उनके बेटे सय्यद मुहम्मद ने तैयार किया था।

पश्चिम बंगाल के बर्धमान में बस हादसा, 10 यात्रियों की मौत हुई

बर्धमान, 15 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बर्धमान में दर्दनाक सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 35 लोग घायल हैं। सभी घायलों को बर्धमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूर्वी बर्धमान के पुलिस अधीक्षक संयुक्त दास ने इसकी पुष्टि की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ, जब यात्रियों से भरी हुई एक बस रास्ते में सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। गंगा सागर में स्नान करके यात्री लौट रहे थे। बस दुर्गापुर की ओर जा रही थी। यह दुर्घटना पूर्वी बर्धमान में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-19 पर नाला फेरी घाट पर हुई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।स्थानीय लोगों ने सबसे पहले बचाव कार्य शुरू किया और पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने राहत व बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना की खबर मिलने पर जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अर्क बनर्जी और जिलाधिकारी आयशा रानी अस्पताल पहुंचे।इस बीच, पूर्वी बर्धमान के पुलिस अधीक्षक सायक दास ने बताया कि यह बस किसी तीर्थ यात्रा पर जा रही थी। इसी दौरान, रास्ते में बस का ट्रक के साथ एक्सीडेंट हुआ। पुलिस अधिकारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि भीषण बस दुर्घटना में 10 लोगों की मौत हुई है। 35 लोग घायल हुए। कुछ लोगों की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक सायक दास के मुताबिक, सभी यात्री बिहार के निवासी हैं। बस में 5 बच्चों सहित 45 यात्री सवार थे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19), Near Bus Stand, Ranigunj, Secunderabad - 500 003
8688868345

गोवत्स फाउण्डेशन
हैदराबाद
(Reg. No. 224/2013)
गो माता की महिमा - वेदों का सार
वेद बिना मति नहीं
गाय बिना गति नहीं
नित्य गोसेवा करें...
Scan for Donation
जय गो माता - जय गोपाल
सीए मुरली मनोहर पलोड़ 9849467807
ओमप्रकाश अग्रवाल 9246532277

श्रीमद्भागवत कथा : जगद्गुरु डॉ. राघवाचार्यजी महाराज ने सुनाई कपिल-ध्रुव और जड़भरत की कथा

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मधुसूदन-ललिता मोदानी परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन, तिरा बैंक्वेट, द प्लैटिनम, हिमायतनगर में भारी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर, प्रतिवादी भयंकर श्रीधाम मठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी डॉ. राघवाचार्यजी महाराज (श्री रामलला सदन देवस्थान ट्रस्ट, अयोध्या) ने अपने प्रवचनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अपने प्रवचन में डॉ. राघवाचार्यजी महाराज ने कपिलोख्यान, ध्रुव चरित्र और जड़भरत कथा के साथ-साथ अजामिल चरित्र का भी विस्तार से वर्णन किया।

कपिलोख्यान और जड़भरत: उन्होंने कपिल मुनि के ज्ञान और जड़भरत के वैराग्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि ज्ञान और वैराग्य से ही मनुष्य जीवन के बंधनों से मुक्ति पा सकता है।

ध्रुव चरित्र: महाराज ने ध्रुव की अटूट भक्ति और दृढ़ संकल्प की कहानी सुनाते हुए भक्तों को प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि किस तरह एक छोटे बालक ने अपनी तपस्या से भगवान को प्रसन्न कर लिया।

अजामिल चरित्र: उन्होंने अजामिल के जीवन की कहानी के माध्यम से भगवान के नाम-स्मरण की महिमा बताई। उन्होंने कहा कि व्यक्ति कितना भी पापी क्यों न हो, भगवान का नाम लेने मात्र से उसका उद्धार हो सकता है।कथा के दौरान पूरा हॉल भक्तिमय माहौल से सराबोर था। बड़ी संख्या में भक्तों ने कथा का आनंद लिया और महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस तरह के आयोजनों से न केवल धार्मिक भावनाएं मजबूत होती हैं, बल्कि समाज में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता का भी संचार होता है।

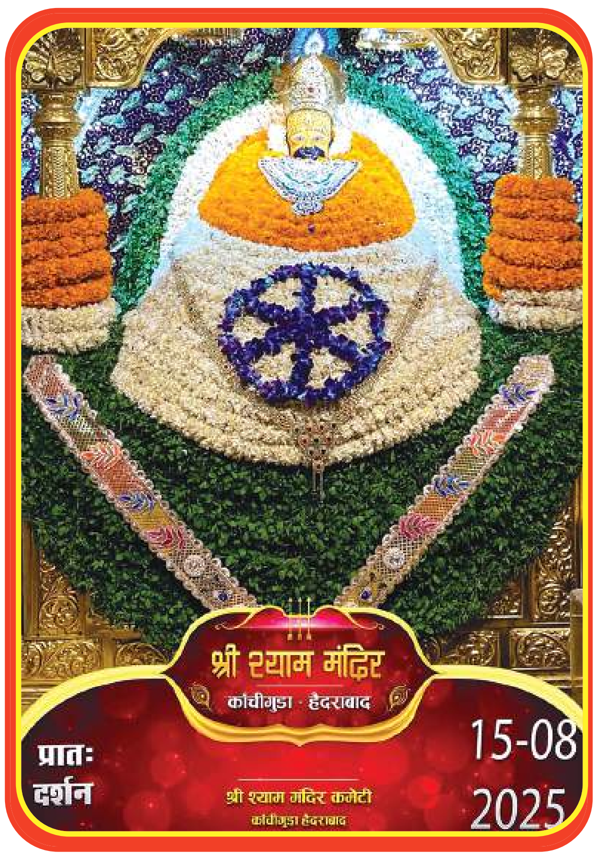

श्री रुद्रनाथ शिव मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और बगलामुखी हवन का आयोजन आज से

मेडचल: एल्मपेट, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल में निर्माणाधीन श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर के परिसर में स्थित श्री रुद्रनाथ शिव मंदिर में 16 और 17 अगस्त को दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

16 अगस्त, शनिवार: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर दोपहर 11:30 बजे से श्री गोपाल सहस्त्रनाम पाठ और हवन का आयोजन किया जाएगा।17 अगस्त, रविवार: दोपहर 12:05 बजे से श्री बगलामुखी मिर्ची हवन का आयोजन होगा। इस हवन की मुख्य यजमान गुरु माँ स्नेहलता राय बंसल और उनका परिवार है। मंदिर निर्माण कमेटी ने बताया है कि अन्य भक्त भी इस हवन में भाग ले सकते हैं।यह धार्मिक अनुष्ठान पूज्य आचार्य बाल व्यास विनयानंद जी महाराज के मुख्य आचार्यत्व में संपन्न होगा, जो मिर्जापुर विंध्यवासिनी धाम और काशी में नौ वर्षों तक अनेकों अनुष्ठान करा चुके हैं। उनके साथ काशी के दो अन्य विद्वान आचार्य भी सहयोगी के रूप में रहेंगे।श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन राजर्षि जयपाल नयाल सनातनी ने हैदराबाद के सभी भक्तों से इस पावन अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

कॉरपोरेटर राकेश जायसवाल ने जामबाग डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर किया ध्वजारोहण

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, जीएचएमसी कॉरप-ोरेटर (जामबाग डिवीजन) राकेश जायसवाल ने अपने क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया। इस दौरान उनके साथ अमर सिंह, राजू यादव, प्रवीण, संदीप, हरिनाथ, जगपति, प्रमोद, अनिल, रवि, शिवकुमार और शारदा जी सहित कई स्थानीय नागरिक भी उपस्थित थे। सभी ने मिलकर देशभक्ति के नारों के साथ देश की आजादी का जश्न मनाया। इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य लोगों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना और स्वतंत्रता के महत्व को याद दिलाना है।

सिखवाल प्रगति समाज के कन्हैयालाल ओझा ने खोला नया प्रतिष्ठान

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज के सह-कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल ओझा ने अपने नए प्रतिष्ठान माँ ब्रह्माणी ट्रेंडिंग कम्पनी का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसमें राजस्थान समाज के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।इस अवसर पर, चर्चित माली सैनी क्षेत्रीय समाज के अध्यक्ष रामवल्लभ भाटी (मामा जी) और गायत्री परिवार के हैदराबाद प्रमुख गोकुलचंद उपाध्याय ने अपने हाथों से प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया।इस मौके पर रामदेव नागला, धर्माराम ढाका, कृपाराम भाटी, रामदेव जोशी, रामकिशोर कच्छवा और अन्य लोग भी मौजूद थे, जिन्होंने कन्हैयालाल ओझा को शुभकामनाएं दीं।

सनत नगर में स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए भाजपा नेता सपना गुप्ता, सैफरन डायरेक्टर विमल गुप्ता, विनीत गुप्ता, भाग्यश्री एवं सैफरन टीम।

ऋषि श्रृंग भवन स्थित भूलक्ष्मी माता मंदिर में बाबू गुरु द्वारा एक भव्य पूजा का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में सिखवाल समाज के कई प्रमुख सदस्य उपस्थित थे।इस अवसर पर रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, गोपाल कृष्ण तिवाड़ी, विजय शर्मा पांडे, ओम नारायण पंडित, अमर जायलवाल, अजय पंडित, राजेंद्र ओझा, श्रीनिवास नागला, संतोष व्यास, और भाजपा नेता मनीष व्यास तथा श्री राम व्यास सहित अनेक समाज बंधु उपस्थित थे। सभी ने मिलकर माता की पूजा-अर्चना की और उनका आशीर्वाद लिया।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

श्रीमती शोभा देवी सावरिया
फर्म: कृष्णा सर्विस स्टेशन, सावरी प्लायलम
पुण्यतिथि के अवसर पर
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

अग्रवाल समाज श्रीनगर कॉलोनी शाखा ने 79वां स्वतंत्रता दिवस सरस्वती शिशु मंदिर में उत्साहपूर्वक मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज श्रीनगर कॉलोनी शाखा ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हैदराबाद के श्रीनगर कॉलोनी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर हाई स्कूल में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में देशभक्ति, सामाजिक एकता और शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसके बाद दीप प्रज्वलन किया गया। सरस्वती शिशु मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ. जगमोहन जी की उपस्थिति में मुख्य अतिथि और शाखा के केंद्रीय सदस्य श्री नरेंद्र गोयल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके पश्चात सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन किया।

कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक गान और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियाँ दीं, जिसने समारोह में देशभक्ति का उत्साह बढ़ाया। मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र गोयल और डॉ. अजय अग्रवाल ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में स्वतंत्रता के महत्व और सामुदायिक योगदान पर प्रकाश डाला।शाखा द्वारा स्कूल के 30 मेधावी छात्र-छात्राओं को, जिन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, मेडल और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, शाखा की ओर से सभी छात्रों को मिठाई, फल और बिस्कुट वितरित किए गए।समारोह का समापन राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य श्रीमती विजयलक्ष्मी, शाखा के अध्यक्ष श्री उमाशंकर गोयनका, उपाध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, मानद मंत्री श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती विभा अग्रवाल, श्रीमती श्वेता अग्रवाल, श्रीमती शिल्पी, श्रीमती रजनी अग्रवाल, श्री अजय अग्रवाल, श्री राहुल सिंघल, श्री राजेश अग्रवाल, श्री विभोर मोदी, श्री वैभव अग्रवाल, और श्री उजास अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

हार्दिक बधाई
राठौड़ श्रावण
(जूनियर लेक्चरर, जी.जे.सी. गुडीहतनूर) को

मो. अली शब्बीर, (माननीय सलाहकार, एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक कल्याण), तेलंगाना सरकार और राजर्षि शाह (आईएएस, जिला कलेक्टर, आदिलाबाद) ने स्वतंत्रता दिवस समारोह में सर्वश्रेष्ठ प्राध्यापक के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया।
प्रशंसा पुरस्कार के लिए आप को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।
आप की उपलब्धि गर्व का विषय है और आप के समर्पण व मेहनत का प्रतीक है।
भविष्य में भी आप इसी तरह उत्कृष्टता प्राप्त करते रहें।
शुभकामनाओं सहित
जाधव गणेश कुमार - जिला माध्यमिक शिक्षा अधिकारी
डी. श्रीनिवास - प्राचार्य, के. नागराजु - पुस्तकालयाध्यक्ष,
जी. श्रीनिवास - नागरिक शास्त्र में जूनियर लेक्चरर,
सी. राजेंद्र - तेलुगु में जूनियर लेक्चरर, एन. रत्नाकर - रसायन शास्त्र में जूनियर लेक्चरर,
एम.राजेश्वर - भौतिकी में जूनियर लेक्चरर, पी. संजीवरेड्डी - प्राणी शास्त्र में जूनियर लेक्चरर,
सी. प्रवीणकुमार - अंग्रेजी में जूनियर लेक्चरर, टी. नरसैया - अर्थ शास्त्र में जूनियर लेक्चरर,
जी. गनेश्वर - वनस्पति शास्त्र में जूनियर लेक्चरर, श्रीमती मीना - वाणिज्य में जूनियर लेक्चरर,
वेंकट - वरिष्ठ सहायक, रवि - कनिष्ठसहायक, एवं एन. मुनी - कार्यालय अधीक्षक

।। श्री आई माताजी नमः ।।   ।। श्री गणेशाय नमः ।।   ।। श्री खेतलाजी नमः ।।
श्री आईजी गौशाला
मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के तत्वावधान में
जन्माष्टमी महोत्सव
-: कार्यक्रम :-
आज शनिवार, 16 अगस्त 2025
रात्रि 8.30-12.00 बजे तक जागरण
(आई माताजी भजन मंडली बालाजीनगर)
रात्रि 12-01 बजे से कृष्ण जन्मोत्सव
निवेदन : समाज बन्धुओं से निवेदन है कि सपरिवार पधारकर जागरण कृष्ण जन्मोत्सव, श्री आईमाँ के दर्शनकर कार्यक्रम को सफल बनावे
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583
सचिव : हुकमाराम सानपुरा 9441118022
AAI MAA ADS

भूतड़ा परिवार द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के दौरान, अंतरराष्ट्रीय कथावाचक भागवत भूषण श्री प्रदीपजी मिश्रा का राजस्थानी जागृति समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने शॉल और माला पहनाकर सम्मान किया और उनसे आशीर्वाद और बेलपत्र प्राप्त किया।

श्री शिव महापुराण कथा : श्री गणेश जन्मोत्सव के साथ स्वतंत्रता दिवस का भव्य उत्सव

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद रोड, हैदराबाद स्थित पूरन सन्स फार्म्स में रामनिवास ब्रिजगोपाल भूतड़ा परिवार द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के तीसरे दिन (15 अगस्त 2025) स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर भव्य उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कथावाचक और भागवत भूषण पूज्य पंडित प्रदीप जी मिश्रा (सीहोर वाले) ने सभी भक्तों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।कार्यक्रम की शुरुआत भूतड़ा परिवार द्वारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के ध्वजारोहण के साथ हुई। इस समारोह में उपस्थित सभी भक्तों ने राष्ट्रीय गान का गायन कर देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित किया। ध्वजारोहण के पश्चात, पंडित प्रदीप जी मिश्रा ने कथा का शुभारंभ किया।

स्वतंत्रता दिवस के साथ-साथ शुक्रवार को श्री गणेश जन्मोत्सव का भी आयोजन किया गया। पूज्य पंडित प्रदीप जी मिश्रा ने इस अवसर पर श्री गणेश जन्मोत्सव के महत्व पर विस्तार से प्रवचन दिया। उन्होंने भक्तों को बताया कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता हैं, जिनकी पूजा से सभी कार्य निर्विघ्न पूर्ण होते हैं। उनके प्रवचन में गणेश जी की उत्पत्ति, उनके जीवन की लीलाओं, और उनके प्रतीकात्मक महत्व पर प्रकाश डाला गया। पंडित जी ने भक्तों को गणेश जी के प्रति श्रद्धा और भक्ति के साथ जीवन में सकारात्मकता लाने का संदेश दिया।

भूतड़ा परिवार ने इस आयोजन को भव्य और स्मरणीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्री शिव महापुराण कथा के आयोजन के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस और श्री गणेश जन्मोत्सव के उत्सव ने भक्तों में उत्साह और भक्ति का संचार किया। समारोह में उपस्थित भक्तों ने पंडित प्रदीप जी मिश्रा के प्रवचनों का श्रवण कर आध्यात्मिक और राष्ट्रीय गौरव की भावना को आत्मसात किया।शमशाबाद रोड स्थित पूरन सन्स फार्म्स में आयोजित यह समारोह स्वतंत्रता दिवस, श्री गणेश जन्मोत्सव और श्री शिव महापुराण कथा का एक अनूठा संगम रहा। भूतड़ा परिवार और पंडित प्रदीप जी मिश्रा के मार्गदर्शन में यह आयोजन भक्तों के लिए आध्यात्मिक और देशभक्ति का एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हुआ।

राधे राधे ग्रुप ने नामपल्ली और बेगम बाजार में किया झंडा वंदन

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नामपल्ली और बेगम बाजार में झंडा वंदन समारोह का आयोजन किया। ग्रुप के सदस्यों ने इन दोनों स्थानों पर ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान गाया।

इस अवसर पर, ग्रुप के सभी सदस्य मौजूद रहे और उन्होंने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर दोनो स्थानों पर नित्य अन्नदान प्रसाद का वितरण किया गया।

सिखवाल सेवा संघ ने छोटा पंचायती बाड़ा में मनाया स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल सेवा संघ के तत्वावधान में आज, 15 अगस्त, 2025 को छोटा पंचायती बाड़ा में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डूंगरगढ़ निवासी श्री गोपालजी ने ध्वजारोहण किया।

इस कार्यक्रम में सुरेश कुमार उपाध्याय, श्री वल्लभ उपाध्याय, विष्णुगोपाल तिवारी, दामोदर जोशी, रामदेव नागला, हनुमानजी व्यास, कन्हैयालाल तिवारी, अनिल जायलवाल, राकेश ओझा, सुनील तिवारी, रामदयाल ओझा, सतबीर उपाध्याय, राजेंद्र नागला, विनोद उपाध्याय, कैलाश व्यास, बब्बू उपाध्याय, हरिनारायण तिवारी, चेतन उपाध्याय, जगदीशजी तिवारी, अशोकजी उपाध्याय और श्रीराम उपाध्याय सहित कई सामाजिक बंधु उपस्थित थे। सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और देश की आजादी का जश्न मनाया।

भाजपा गोलकोंडा के अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र और घांसी बाजार वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यप्रकाश तायल ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घांसी बाजार चौराहे पर ध्वजारोहण किया।इस कार्यक्रम में अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया और सभी ने मिलकर राष्ट्रध्वज को सलामी दी। यह आयोजन देश के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित करने के लिए किया गया।

कार्तिकेय ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सैकड़ों कर्मचारियों, अधिकारियों और प्रबंधन टीम की उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस का विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समूह की चेयरपर्सन भगवती महेश बल्दवा, प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी महेश बल्दवा, और इग्जोरियल बायोमैड के सीईओ कार्तिकेय बल्दवा ने संयुक्त रूप से ध्वज-ारोहण किया, तिरंगे को सलामी दी और आज़ादी के अमृत महोत्सव का उल्लासपूर्ण उत्सव मनाया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भगवती बल्दवा ने कहा, यह दिन केवल उत्सव का नहीं, बल्कि उन वीर हुतात्माओं के अमर बलिदान को स्मरण करने और स्वतंत्र भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प को पुनः दृढ़ करने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने लाल किले की प्राचीर से देश के समग्र विकास के लिए जो घोषणाएँ की हैं, वे भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में निर्णायक कदम हैं।

इस अवसर पर महेश बल्दवा ने प्रधानमंत्री मोदी जी के भाषण को ऐतिहासिक बताते हुए कहा, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा भाव, समर्पण और राष्ट्रभक्ति को जिस भाव से उल्लेखित किया, वह प्रेरणादायी है। सरकार ने प्रत्येक क्षेत्र के विकास हेतु जो ऐलान किए हैं, वे भारत को शीघ्र ही विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने में सहायक होंगे।

कार्तिकेय बल्दवा ने अपने वक्तव्य में भारत की स्वतंत्रता, आत्मनिर्भरता और प्रधानमंत्री के विजन 2047 को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत न केवल एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में, बल्कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्योग और नवाचार के क्षेत्र में भी विश्व में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

पूरे परिसर को तिरंगे के रंगों से सजाया गया था और देशभक्ति गीतों की गूंज ने माहौल को और भी प्रेरणादायक बना दिया। कर्मचारियों और प्रबंधन की सहभागिता ने इस कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। समारोह का समापन राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम' के सामूहिक उद्घोष के साथ हुआ।

सीरवी समाज की नई कार्यकारिणी का गठन

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर भवन में सीरवी समाज, जीडिमेटला की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया है। आगामी कार्यकाल के लिए 6 पदाधिकारियों और 19 एरिया सदस्यों की नियुक्ति की गई है।

प्रेस विज्ञप्ति में सचिव नारायणलाल बर्फा और प्रेम पंवार ने बताया कि चुनाव अधिकारी अशोक हांबड़ और जगदीश सोलंकी की देखरेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। श्री आईमाता मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चुनाव किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की सूची इस प्रकार है: अध्यक्ष: रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष 1: सोहनलाल परिहारउपाध्यक्ष 2: दुर्गाराम मुलेवा, सचिव: प्रेम पंवार, सहसचिव: मंगलराम पंवार, कोषाध्यक्ष: भंवरलाल काग।नवनिर्वाचित अध्यक्ष रावतराम बर्फा ने शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में सहयोग के लिए सभी समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया। मंच संचालन करते हुए सचिव नारायणलाल बर्फा ने बताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को 25 अगस्त, भादवा सुदी दूज को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी।कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाज बंधुओं का निवर्तमान अध्यक्ष मांगीलाल काग ने धन्यवाद ज्ञापन कर समारोह का समापन किया। इस दौरान निवर्तमान अध्यक्ष मांगीलाल काग और सचिव नारायणलाल बर्फा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और चुनाव अधिकारियों को शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का विशेष कवरेज पत्रकार जगदीश सीरवी ने किया।

मिट्टी का शेर चारकामन स्थित बालाजी फ्रेंड एसोसिएशन द्वारा बालाजी निवास पर आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख सदस्य एवं अतिथियों में अध्यक्ष नितेश अग्रवाल, मंत्री विवेक गाड़ियां, पंकज वर्मा, विवेक नारायण संघी, अमृता अग्रवाल, तन्वी अग्रवाल सहित अन्य सदस्य शामिल थे। इस पावन अवसर पर सभी ने देशभक्ति के गीत गाए और तिरंगे को सलामी दी।

बालाजी नगर श्री आईजी गौशाला में 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर, हैदराबाद स्थित श्री आईजी गौशाला में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गौशाला के पदाधिकारियों, स्थानीय नेताओं, महिला मंडल और गौभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसने देशभक्ति और सामुदायिक एकता की भावना को प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रीय गान का गायन कर स्वतंत्रता के महत्व को याद किया। समारोह में गौशाला के अध्यक्ष श्री मंगलाराम पंवार, सचिव श्री हुक्माराम सानपुरा, सह-सचिव श्री ढगलाराम सेपटा, कोषाध्यक्ष श्री नारायणलाल परिहार, श्री भगाराम मुलेवा, श्री भंवरलाल मुलेवा, श्री मोतीलाल काग, श्री माधुराम चोयल, श्री मांगीलाल परिहारिया, श्री किशनलाल पंवार, श्री नेमीचंद काग, कांग्रेस युवा नेता श्री विकास शर्मा, श्री नेमीचंद चोयल, श्री भेराराम लखावत, श्री रूपसिंह, श्री मादुराम, श्री मोहनलाल भायल, श्री ओमप्रकाश परिहार, और श्री मुकेश हाम्बड़ उपस्थित थे।

महिला मंडल की ओर से श्रीमती प्रेमा देवी सानपुरा, श्रीमती मांडी देवी काग, श्रीमती रमादेवी जजांवत, और श्रीमती पूजा हाम्बड़ ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी की। इसके अतिरिक्त, कई गौभक्तों ने समारोह में शामिल होकर गौशाला के प्रति अपनी निष्ठा और देशभक्ति की भावना को व्यक्त किया।

शमशाबाद सीरवी समाज बडेर में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीरवी समाज, शमशाबाद बडेर में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर अध्यक्ष आसाराम गहलोत ने तिरंगा फहराया।

कार्यक्रम में समाज के कई प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य मौजूद थे, जिनमें: उपाध्यक्ष: चेलाराम काग,सहसचिव: नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष: राजूराम परिहार, सलाहकार: जगदीश काग, रतनलाल बर्फा,पूर्व उपाध्यक्ष: मलाराम पंवार,सदस्य: सोहनलाल बर्फा, रमेश चोयल, रमेश पंवार एवं अन्य।कार्यक्रम में महिला मंडल की सदस्य गौरी देवी काग (रायपुर समिति सदस्य) और उपाध्यक्ष संतोष देवी परिहार भी उपस्थित थीं। साथ ही, नन्हे-मुन्ने बच्चों सहित समाज के अन्य बंधुओं की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही, जिनके बीच स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, ASHATORANI YADAV is legally wedded spouse of Army No. JC 734793M Sub Triloki Nath Yadav R/o.Vill: HarikiTola, Post:Khawaspur, Teh:Ara, Dist:Bhojpur, Bihar, 841312 have changed my name from ASHATORANI YADAV to ASHATORNI YADAV vide affidavit before C.V.N Rama Krishna, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, No.6944057W Hav Tej Kiran of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my name is changed from TEJ KIRAN to TEJ KIRAN BHATT

CHANGE OF NAME

I, ARUNA KISHORE KHANDPEKAR is legally wedded spouse of Army No. JC 731683F Sub Khandpekar Kishor Motiram R/o.Vill: H/No:-1404 Ishkrupa, Post:Shivaji Nagar, Teh:2nd Rabodi Thane, Dist:Thane, Maharashtra, 400601 have changed my name from ARUNA KISHORE KHANDPEKAR to KHANDPEKAR ARUNA KISHOR vide affidavit before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

पावरग्रिड, दक्षिण क्षेत्र–1 में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र पारेषण प्रणाली–1 (दक्षिणी क्षेत्र–1) ने तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में स्थित अपने सभी कार्यालयों में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। सिकंदराबाद स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय में कार्यकारी निदेशक श्री डोमन यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।अपने संबोधन में श्री डोमन यादव ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों का सपना केवल विदेशी शासन से आजादी तक सीमित नहीं था, बल्कि वे एक ऐसे भारत की कल्पना करते थे जहां हर व्यक्ति को न्याय और समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हम नया भारत थीम के साथ स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, जो एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र का प्रतीक है। यह थीम भारत सरकार के विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को दर्शाती है।उन्होंने सभी से स्वतंत्रता, लोकतंत्र और न्याय के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने और एक बेहतर, न्यायपूर्ण और सफल भारत के निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया।

इस अवसर पर श्री ए.सी. संकरय्या (मुख्य महाप्रबंधक – परियोजनाएं), श्री अरुण कुमार (मुख्य महाप्रबंधक – मानव संसाधन), श्री प्रवीण कुमार टी. वी. एस. (मुख्य महाप्रबंधक – संपत्ति प्रबंधन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, उनके परिवार और सेवानिवृत्त कर्मचारी उपस्थित थे।स्वतंत्रता दिवस समारोह के उपलक्ष्य में पावरग्रिड कर्मचारी कल्याण संघ और दीप शिखा महिला समिति द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए।

भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, मुकेश यादव, पवन साहू बब्बू, नितिन शर्मा ने चूड़ी बाजार चौराहा पर स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया।

राजस्थानी स्नातक संघ ने मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी स्नातक संघ ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष श्री मनोज गोयल और मंत्री श्री अजय कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया।समारोह में संघ के पूर्व अध्यक्ष नंदगोपाल भट्टड़, श्री प्रकाश नारायण राठी, सुरेश काबरा, महेश शर्मा, उपाध्यक्ष श्र संपत दरक, कार्यकारिणी सदस्य गोपाल सारड़ा, अरुण लाहोटी, मदन गोपाल व्यास, श्री अरविंद नारणिया, अशोक बंसल, जुगल शर्मा, श्री देबाशीष गोयल, श्रीमती निर्मला गोयल, विजय ओझा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बिहार अग्रवाल संघ ने सरस्वती शिशु मंदिर में 79वां स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार अग्रवाल संघ ने राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर, निंबोली अड्डा, हैदराबाद में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस पावन राष्ट्रीय पर्व पर संघ ने सामाजिक और शैक्षिक योगदान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

संघ के उपाध्यक्ष श्री संतोष टांटिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर बिहार अग्रवाल संघ ने सरस्वती शिशु मंदिर को स्कूल के बुनियादी ढांचे की सुंदरता और सुधार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। स्कूल के पदाधिकारियों को इस उद्देश्य के लिए एक चेक सौंपा गया।

समारोह के दौरान, संघ के पदाधिकारियों ने बच्चों को जूस, फल और चॉकलेट वितरित किए। इसके साथ ही, आयोजन में उपस्थित सभी अतिथियों को भी फल और जूस प्रदान किए गए, जिससे समारोह में समुदाय के प्रति एकता और सौहार्द का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष श्री संतोष टांटिया, महामंत्री श्री भीम फिटकरीवाला, कोषाध्यक्ष श्री विक्की सर्राफ, सलाहकार श्री विनय जैन, श्री मनीष फिटकरीवाला, श्री अर्जुन फिटकरीवाला, सलाहकार श्री हरिमोहन सर्राफ, महिला इकाई की ओर से श्रीमती सरिता जैन और श्रीमती सविता फिटकरीवाला सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

यह आयोजन न केवल स्वतंत्रता दिवस के उत्सव का प्रतीक था, बल्कि सामुदायिक सेवा और शिक्षा के प्रति बिहार अग्रवाल संघ की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

स्वतंत्रत दिवस समारोह में यमुना पाठक का सम्मान करती हुईं डी. सुमन।

अग्रवाल समाज की दूसरी साधारण सभा सम्पन्न

सदस्यता शुल्क में कमी और जयंती तैयारियों पर चर्चा

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल में अग्रवाल समाज तेलंगाना की दूसरी विशेष साधारण सभा (ईजीएम) का आयोजन किया गया। परंपरा के अनुसार, सभा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी की पूजा–अर्चना के साथ हुआ। सभा का संचालन सह–मंत्री डॉ. सीमा जैन ने किया। सभा में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई और उन्हें सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। प्रमुख निर्णयों में–सदस्यता शुल्क में कमी: अगले दो वर्षों के लिए सदस्यता शुल्क को 350 रुपये से घटाकर 21 रुपये करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।

मताधिकार का विस्तार: केंद्रीय समिति के भूतपूर्व अध्यक्षों, निवर्तमान अध्यक्षों और शाखा के निवर्तमान अध्यक्षों को मताधिकार देने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया।प्रथम केंद्रीय समिति बैठक: नए पदाधिकारियों द्वारा प्रथम केंद्रीय समिति की बैठक 31 जुलाई 2025 या उससे पहले आयोजित करने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया।प्रिविलेज कार्ड का विस्तार: प्रिविलेज कार्ड अब प्रतिष्ठान के कर्मचारियों को भी प्रदान किए जाएंगे।अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए आगामी अग्रसेन जयंती समारोह में उत्साहपूर्ण भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने 2 लाख सदस्यों के लक्ष्य को प्राप्त करने की बात कही और जयंती तक कम से कम 25,000 सदस्यों को वेबसाइट पर पंजीकृत करने का आग्रह किया। उपाध्यक्ष एवं जयंती संयोजक श्री रूपेश अग्रवाल ने जयंती की तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। विभिन्न शाखाओं ने जयंती समारोह के लिए अपने–अपने सहयोग की घोषणा की।परामर्शदाता श्री चंद्रप्रकाश डकोटिया और श्री हरीश अग्रवाल ने अनुमोदित प्रस्तावों के लिए अध्यक्ष श्री अनिरुद्ध गुप्ता और अन्य पदाधिकारियों की सराहना की। सभा में सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति के लिए बहादुरपुरा शाखा और मानसरोवर शाखा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, उपस्थित सभी महिला शक्ति का भी सम्मान किया गया।

सभा का समापन सह–मंत्री डॉ. सीमा जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे, जिनमें विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। यह सभा सामाजिक एकता और संगठन की प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

प्रजा एकता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय, गावलीगुड़ा चमन, हैदराबाद में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस समारोह का आयोजन प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनीवास द्वारा किया गया। इस अवसर पर पार्टी के कई नेताओं एवं शुभचिंतकों ने भाग लिया, जिनमें नरेश दुतपाल, सुरेश गोड, मयूर, श्रीराम व्यास और मंगलसिंह प्रमुख हैं। स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर देशभक्ति के रंग में रंगे कार्यक्रम आयोजित किए गए और राष्ट्रीय एकता का संदेश फैलाया गया।

श्री श्याम एन्क्लेव फ़्लैट्स ओनर्स सोसाइटी, बड़ी चौड़ी के सदस्यों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया। सोसाइटी के अध्यक्ष राम प्रकाश अग्रवाल ने सभी सदस्यों के साथ मिलकर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर देशभक्ति गीत गाए गए और मिठाइयां बांटी गईं।

शिवदत्तराय हाई स्कूल में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। उर्दू गली पत्थर गट्टी स्थित शिवदत्तराय हाई स्कूल ने इस विशेष अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। स्कूल के सचिव लक्ष्मी नारायण व्यास ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय गान के साथ हुई।

अपने भाषण में लक्ष्मी नारायण व्यास ने प्रधानमंत्री मोदी जी के ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की और विद्यार्थियों को इसके बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर पूजा शर्मा, रोमा करार, संगीता सक्सेना, लता श्रीवास्तव, प्रियंका यादव, ए. कविता, प्रियंका बेरा, स्नेह आदि उपस्थित थे। यह कार्यक्रम देशभक्ति और युवा पीढ़ी में स्वतंत्रता का जज़्बा फैलाने का माध्यम बना।

गायत्री वेद फाउंडेशन में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

हैदराबाद, 15 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। गायत्री वेद फाउंडेशन द्वारा संचालित श्री गायत्री संस्कृत वेद विद्यालय में 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर, फाउंडेशन के अध्यक्ष ने 15 अगस्त को केवल एक दिन नहीं, बल्कि एक एहसास और गौरवशाली पल बताया, जो समस्त देशवासियों के लिए आजादी का महापर्व है।अध्यक्ष ने उन सभी महान सपूतों को श्रद्धांजलि दी, जिनके बलिदान के कारण आज देशवासी स्वतंत्रता का यह महामहोत्सव मना पा रहे हैं। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा में सदैव तत्पर रहने वाले सभी वीरों को शत–शत नमन किया।समारोह में फाउंडेशन के महामंत्री पंडित विशेष शर्मा, एडवोकेट सुरेंद्र सिंह चौधरी, सीए हरि प्रसाद गोविंद, पंडित अक्षय शर्मा, प्रदीप रेड्डी, पंडित आशीष शर्मा, पंडित जगदीश शर्मा, वेदांत शर्मा, एकाक्षी शर्मा, और विशाखा शर्मा उपस्थित थे।विद्यालय के प्राध्यापक वेद मूर्ति पंडित श्री आदित्य पाठक, अध्यापक वेद मूर्ति पंडित श्री दुर्गेश दुबे, और सभी विद्यार्थीगण भी इस समारोह का हिस्सा बने।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.